● वर्ष-4
● अंक-132
रायपुर, रविवार
12 जनवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

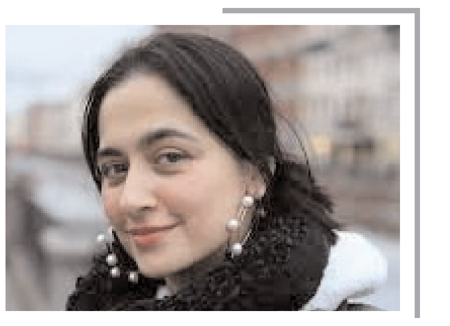

पेज-6» तलाक के बाद प्यार की तलाश में हैं संजीदा?

प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर मंदिर में पूजा की

राम हैं तो राष्ट्र है: योगी

नईदिल्ली। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ श्री राम जन्मभूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ %प्रतिष्ठा द्वादशी% के अवसर पर श्री राम मंदिर में पूजा की। इसके बाद योगी ने अपने संबोधन में कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज से एक साल पहले 500 साल का इंतजार खत्म कर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हर दिन औसतन 1.5 से 2 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। 2014 से पहले अयोध्या में बिजली नहीं थी।

योगी ने कहा कि अयोध्या में साफ-सफाई नहीं थी। अयोध्या में कोई एयरपोर्ट नहीं था। लेकिन आज अयोध्या में अंतरराष्टीय हवाई अड्डा है। अयोध्या में फोर-लेन और सिक्स-लेन सड़कें बनाई गई हैं। सरयू नदी के घाट देश भर से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर हम जाति, क्षेत्र, भाषा के आधार पर बंटे रहे तो सबसे पहले इसका खामियाजा धार्मिक स्थलों को भुगतना पड़ेगा। हम सभी को एकजुट रहना चाहिए। एक साल पहले पीएम मोदी ने भी कहा था कि भगवान राम राष्ट्र के प्रतीक हैं. राम हैं तो राष्ट्र हैं, राष्ट्र हैं तो राम हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए अयोध्या में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करेगा। ये समारोह 11 से 13 जनवरी तक निर्धारित हैं। आम लोगों के साथ-साथ लगभग 110 वीआईपी, जो पिछले साल ऐतिहासिक समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे, उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में भारत की लोक रानी मालिनी अवस्थी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा; पार्श्व गायिका और राजनीतिज्ञ अनुराधा पौडवाल और कवि कुमार विश्वास सहित अन्य। मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, तीन दिवसीय उत्सव के दौरान कई धार्मिक अनुष्ठानों के साथ राम कथा और राम लीला प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं।

मोदी ने लिखा कि अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। मुझे विश्वास है कि यह दिव्य-भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा।

आप का खेल बिगाड़ेगी कांग्रेस

नईदिल्ली। दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस खास मतदाता समूहों पर फोकस कर रही है। पार्टी सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार कर रही है। लेकिन महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक, ओबीसी और अनुसूचित जाति आबादी वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है। कांग्रेस का लक्ष्य इन पारंपरिक समर्थकों के साथ फिर से जुड़ना है। कांग्रेस का फोकस खासकर झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में भी बहुत दिख रहा है। ऐसे में कांग्रेस आम आदमी पार्टी के खेल को बिगाड़ने की कोशिश में है। हालांकि, ये बात भी सही है कि 2013 से पहले ये वोटर्स कांग्रेस के ही हुआ करते थे।

पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि मुस्तफाबाद, सीलमपुर, ओखला, बाबरपुर, चांदनी चौक, मटिया महल, बल्लीमारान और गोकुलपुरी जैसे अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों ने वर्षों से लगातार हमारा समर्थन किया है। पार्टी नेता के मुताबिक इससे पता चलता है कि हमने पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान पर्याप्त वोट क्यों हासिल किए। हमने इनमें से अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है ताकि घटकों को हमारी पार्टी की

गारंटी के बारे में जागरूक करने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जा सके।

पार्टी इन समुदायों को प्रभावित करने वाले मुद्दों, विशेष रूप से अविकसित बुनियादी ढांचे और मलिन बस्तियों में असंगत जल आपूर्ति के संबंध में अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दे रही है। कांग्रेस उन निर्वाचन क्षेत्रों को भी लक्षित कर रही है जहां उसे 2020 के चुनावों में बादली, गांधी नगर, कस्तूरबा नगर, हरि नगर, सीलमपुर, जंगपुरा और बवाना सहित पर्याप्त वोट शेयर मिले थे। राहुल गांधी दिल्ली में अपनी पहली जनसभा 13 जनवरी को सीलमपुर में करेंगे। पूर्व ृक्क सदस्यों सहित कई उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। हालाँकि, कांग्रेस को गांधी नगर और सीलमपुर में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जहाँ पूर्व उम्मीदवार अन्य दलों में शामिल हो गए हैं।

लीक हुई सीएजी रिपोर्ट को लेकर आप पर हमलावर हुई बीजेपी-कांग्रेस, बताया लूट का मॉडल

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट मीडिया में लीक होने के बाद शनिवार को भाजपा और कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) पर अपने हमले तेज कर दिए, जिसमें दिल्ली में अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति में खामियों को उजागर किया गया है। भाजपा ने आप पर अपने कुकर्मों को छिपाने के लिए विधानसभा में रिपोर्ट पेश नहीं करने का आरोप लगाया है, अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने आरोप लगाया कि निष्कर्ष भगवा पार्टी के कार्यालय में किए गए थे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट में नीति के बारे में 10 प्रमुख निष्कर्षों को सूचीबद्ध किया गया था, जिसे ईडी और सीबीआई की जांच के बीच आप सरकार ने रद्द कर दिया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जिन्हें मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह जमानत पर हैं। उनको रिपोर्ट में उठाए गए सवालों का जवाब देना होगा।

इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, हम तो पहले से कह रहे हैं कि यह घोटालेबाज सरकार है। पहले केजरीवाल कांग्रेस पर इल्जाम लगाते थे, अब खुद फंस रहे है. केजरीवाल को खुद ही जेल चले जाना चाहिए। गौरतलब है कि सीएजी की एक रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के कारण सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का पता चला है। लीक हुई कैग रिपोर्ट के हवाले से एक निजी मीडिया समूह ने दावा किया है कि इसमें लाइसेंस जारी करने में महत्वपूर्ण खामियों, नीतिगत विचलन और उल्लंघनों पर प्रकाश डालती है। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि नीति अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रही और आप नेताओं को कथित तौर पर रिश्वत से लाभ हुआ। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया था।

विकसित भारत युवा लीडर डायलॉग कार्यक्रम

यंग लीडर्स स आज बातचीत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नईदिल्ली। स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को सुबह लगभग 10 बजे भारत मंडपम, नई दिल्ली में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 में भाग लेंगे। वह पूरे भारत के 3,000 गतिशील युवा नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। इस अवसर पर वह सभा को भी संबोधित करेंगे। मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारत की युवा शक्ति को प्रोत्साहन! उन्होंने लिखा कि

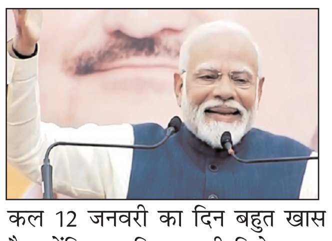

कल 12 जनवरी का दिन बहुत खास है क्योंकि इस दिन स्वामी विवेकानन्द की जयंती है। इस अवसर पर, मैं विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 में अपने युवा दोस्तों के साथ पूरा दिन बिताऊंगा। बातचीत और दोपहर के भोजन के दौरान, हम विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

मोदी ने कहा कि आपको VBYLD2025 से पहले की गई व्यापक पहलों के बारे में जानकर खुशी होगी। विकसित भारत चैलेंज ने लाखों युवाओं को आकर्षित किया और इसमें एक प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता और व्यक्तिगत बातचीत शामिल थी। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं से मैं मिलूंगा, उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संस्कृति और बहुत कुछ के प्रति बहुत जुनून दिखाया है। मैं भारत भर के युवाओं से कल के कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह करता हूं। यह प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के आह्वान के अनुरूप है, जिसमें राजनीतिक संबद्धता के बिना 1 लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के लिए अपने विचारों को वास्तविकता बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की बात कही गई है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी धान के कटोरे की पहचान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राईस समिट 2025 में शामिल हुए। इस कार्यक्रम से केन्द्रीय खाद्य एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व केन्द्र सरकार ने देश के किसानों के मान एवं सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए किसान हित में फैसले लिए जा रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है।

प्रमुख समाचार

जो पार्टी चाहेगी मैं वो काम करूंगा...: डीके शिवकुमार

नईदिल्ली। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के लोगों ने कांग्रेस को पांच साल के लिए आशीर्वाद दिया है और वह और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पार्टी आलाकमान के निर्देशों के अनुसार काम करना जारी रखेंगे। उनके समर्थकों द्वारा उन्हें %अगला मुख्यमंत्री% बताए जाने पर शिवकुमार ने कहा कि उन्हें किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है और पार्टी उनसे जो कहेगी वह उसका पालन करेंगे। शिवकुमार के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी है। डीके शिवकुमार ने कहा कि आइए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और परिणाम भगवान पर छोड़ दें। मुझे किसी के समर्थन की जरूरत नहीं है, मैं पार्टी बनकर काम करूंगा। उन्होंने लोगों से कहा कि मेरी तरफ से कोई जिद न करे। मुझे किसी का समर्थन नहीं चाहिए। इस मामले में किसी भी विधायक को मेरा समर्थन नहीं करना चाहिए। मेरी कांग्रेस पार्टी है। उन्होंने कहा कि विधायकों और कार्यकर्ताओं को मेरी तरफ से चिल्लाना नहीं चाहिए। मैं अपना कर्तव्य निभाऊंगा। उनकी यह टिप्पणी उनके कैबिनेट सहयोगी और सिद्धारमैया के करीबी केएन राजन्ना के सुझाव के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने सुझाव दिया।

कोर्ट न आर्द्रभूमियों की सुरक्षा के लिए कदम उठायाा

नईदिल्ली। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र में वेटलैंड्स के संरक्षण का मुद्दा अपने आप उठाया और भारत में 2.31 लाख से अधिक वेटलैंड्स की सुरक्षा के लिए पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित निर्देश की निगरानी के लिए एक कानूनी सलाहकार नियुक्त किया। दिसंबर, 2024 को, शीर्ष अदालत ने 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी आर्द्रभूमियों का सीमांकन करने के लिए भारत भर के राज्य आर्द्रभूमि अधिकारियों को तीन महीने की समय सीमा दी। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद, इन आर्द्रभूमियों को कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित उच्च न्यायालयों को इस मुद्दे की निगरानी करने के लिए भी कहा था। शीर्ष अदालत के निर्देश के लगभग एक महीने बाद, बॉम्बे हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने वकील जनक द्वारकादास को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया। उन मुद्दों को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत नोट दाखिल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उच्च न्यायालय ने केंद्र, केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, राज्य पर्यावरण, वन और राजस्व मंत्रालयों के साथ-साथ महाराष्ट्र वेटलैंड्स प्राधिकरण को भी नोटिस जारी किया।

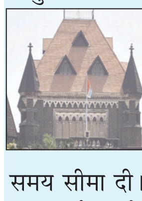

एलएंडटी चेयरमैन के 90 घंटे काम वाला विवाद गर्माया

नईदिल्ली। कर्मचारियों से हफ्ते के सातों दिन 90 घंटा कार्य सप्ताह के बारे में एलएंडटी के चेयरमैन एस. एन. सुब्रह्मण्यन की टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर एक नई बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सुब्रह्मण्यन को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हैं? वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, मुझे खेद है कि मैं आपसे रविवार को काम नहीं करवा पा रहा हूं। अगर मैं आपसे रविवार को काम करवा सकूं तो मुझे ज्यादा खुशी होगी, क्योंकि मैं रविवार को भी काम करता हूं। लेबर, टेक्सटाइल्स पर संसद की स्थायी समिति के सदस्य और बिहार में काराकट से ष्टक्क्ल-रूरूसांसद राजा राम सिंह ने श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र भेजा। सिंह ने लिखा कि एलएंडटी के चेयरमैन ने हाल में बयान दिए हैं कि कर्मचारियों को हफ्ते में 90 घंटे काम करना चाहिए, रविवार को भी काम करना चाहिए। कुछ समय पहले इन्फोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने कहा था कि युवाओं को हफ्ते 70 घंटे काम करना चाहिए। लंबे वर्क ऑवर से प्रॉडक्टिविटी बढ़ती नहीं, घट जाती है।

एचएमपीवी का चौथा मामला नौ महीने के बच्चे में संक्रमण

नईदिल्ली। अहमदाबाद में एक नौ महीने के बच्चे को ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) से संक्रमित पाया गया है। यह शिशु गुजरात में चौथा एचएमपीवी-पॉजिटिव मामला है, सभी मामले एक सप्ताह से भी कम समय में रिपोर्ट किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, बच्चे को 6 जनवरी को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसे सर्दी, खांसी और सांस लेने में दिक्कत हुई। अहमदाबाद नगर निगम ने कहा कि उनका विदेश या अन्य यात्रा का कोई इतिहास नहीं है। इससे पहले शुक्रवार को साबरकांठा जिले में एक आठ वर्षीय लड़के के एचएमपीवी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी, जिससे यह राज्य में तीसरा मामला बन गया। दो दिन पहले, अहमदाबाद में एक 80 वर्षीय व्यक्ति में वायरल संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बुजुर्ग अस्थमा से पीड़ित है और फिलहाल एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों ने पुष्टि की कि उन्होंने भी विदेश यात्रा नहीं की थी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एचएमपीवी का पहला मामला 6 जनवरी को गुजरात में दर्ज किया गया था, जब राजस्थान के एक दो महीने के लड़के को वायरल बीमारी के लिए सकारात्मक पाया गया था, जिसमें बुखार, नाक बंद होना, नाक बहना और खांसी जैसे लक्षण थे।

आतंकियों के 3 सहयोगियों को सुरक्षा बलों ने किया गिरफ्तार

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हमरे पट्टन में प्रादेशिक सेना शिविर पर ग्रेनेड हमले को 24 घंटे के भीतर सुलझाने का दावा किया है, जिसमें एक आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 7 जनवरी को 163 प्रादेशिक सेना एमआई कक्ष को निशाना बनाकर किए गए हमले से शिविर की छत को काफी नुकसान हुआ, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बारामूला, फ़िरोज़ येह्या ने मामले के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमले के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई से संदिग्धों की पहचान हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। एएसपी ने खुलासा किया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में एक आत्मसमर्पण करने वाला आतंकवादी, एक अन्य आत्मसमर्पण करने वाले आतंकवादी का बेटा और हमले का मास्टरमाइंड बताया गया एक तीसरा व्यक्ति शामिल है। इनके पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। मास्टरमाइंड दो साल से गिरफ्तारी से बच रहा था और मादक पदार्थ मामले में भी शामिल है।

न्यायालय डायरी

महिला आरक्षण कानून के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से इनकार

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली पर जताई चिंता। संभल में जामा मस्जिद के पास के कुएं में पूजा करने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक। जेईई एडवांस में इंजीनियरिंग कोर्स छोड़ने वाले छात्रों को 3 मौके मिलेंगे। 2023 महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार।

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के उस परिसीमन खंड को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित करने का प्रावधान है। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत जया ठाकुर और नेशनल फेडरेशन ऑफ

इंडियन वुमेन (एनएफआईडब्ल्यू) द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। पीठ ने बताया कि जया ठाकुर की याचिका ने उस विधेयक को चुनौती दी जो अधिनियम बन गया था, जबकि एनएफआईडब्ल्यू ने कानून के परिसीमन खंड को चुनौती दी थी। ठाकुर की याचिका को निरर्थक बताकर खारिज कर दिया गया। अदालत अनुच्छेद 32 के तहत एनएफआईडब्ल्यू की याचिका पर भी विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी।

मुख्तार अंसारी केस में टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुछ हाई कोर्ट्स के बारे में हमें नहीं पता क्या होगा। इलाहाबाद हाई कोर्ट इन्हीं में से एक है, जिसके बारे में चितित होना चाहिए। दिवंगत नेता मुख्तार अंसारी से जुड़े केस में कोर्ट ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने लखनऊ में विवादित जमीन पर पीएम आवास योजना के तहत घर बनाने को लेकर यथास्थिति बनाए रखने को कहा। जमीन पर मुख्तार के बेटे दावा कर रहे हैं। उनके वकील ने कहा कि हाई कोर्ट के सामने बार-बार केस लिस्ट किया, लेकिन अंतरिम रोक नहीं लगाई गई।

मस्जिद कुएं के पास धार्मिक गतिविधि की इजाजत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को संभल की शाही जामा मस्जिद के पास एक निजी कुएं को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। कहा कि उसकी इजाजत के बिना कोई कदम न उठाया जाए। केंद्र, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ृस्ढ्ढ), संभल जिला प्रशासन और अन्य पक्षों को नोटिस भी जारी किया। मस्जिद प्रबंधन समिति ने कहा था कि जिला प्रशासन पुराने मंदिरों और कुओं को पुनर्जीवित करने का अभियान चला रहा है। इसमें मस्जिद के पास वाला कुआं भी है। वकील हुजेफा अहमदी ने कहा कि वहां धार्मिक गतिविधियां शुरू करने की योजना बनाई गई है। चीफ जस्टिस ने कहा, ऐसी किसी भी गतिविधि की इजाजत नहीं दी जाएगी।

कोर्स छोड़ने वालों को जेईई एडवांस में एक और मौका

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन छात्रों को जेईई-एडवांस 2025 में रजिस्ट्रेशन करने की मंजूरी दे दी, जिन्होंने 5 से 18 नवंबर 2024 के बीच अपने कोर्स छोड़े थे। अटैम्प्ट की संख्या 3 से घटाकर 2 करने के खिलाफ दायर अर्जियों पर यह फैसला दिया गया। याचिका में कहा गया था कि जॉइंट एडमिशन बोर्ड ने पहले कहा कि जो 2023, 24 और 25 में 12वीं कर चुके हैं, वे जेईई-एडवांस में बैठ सकते हैं।

वायु प्रदूषण का समाधान क्या

बम्बई हाई कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जताई कि क्या शहर में वायु प्रदूषण का कोई हल निकलेगा या फिर हर वर्ष दिवाली के बाद नागरिकों को धुएं का सामना करना पड़ेगा। अदालत ने यह भी सुझाव दिया कि बेकरियों को लकड़ी व कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगानी चाहिए।

जो कोटे का लाभ ले चुके हैं, उसे बाहर..

जो लोग कोटे का लाभ ले चुके हैं और दूसरों के साथ कंपटीशन करने की स्थिति में हैं। उन लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर रखा जाए या नहीं? ये कार्यपालिका और विधायिका ही तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने पिछले साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संवैधानिक पीठ का हवाला देते हुए ये टिप्पणी की है। जस्टिस गवई ने कहा कि हमारा विचार है कि पिछले 75 वर्षों को ध्यान में रखते हुए ऐसे व्यक्ति जो पहले से ही लाभ उठा चुके हैं और दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में हैं। उन्हें आरक्षण से बाहर रखा जाना चाहिए। लेकिन इस बारे में निर्णय कार्यपालिका और विधायिका को लेना है। संविधान पीठ ने बहुमत से फैसले में कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) के अंदर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है ताकि उनमें सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों को उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके। संविधान पीठ का हिस्सा रहे और एक अलग फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति गवई ने कहा था कि राज्यों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच भी क्रीमी लेयर की पहचान करने और उन्हें आरक्षण का लाभ देने से इनकार करने के लिए एक नीति बनानी चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें ऐसे क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए नीति बनाने को कहा गया था।

9 हार्डकोर नक्सलियों ने किया सरेण्डर

■ सभी पर घोषित था 43 लाख रुपये का इनाम, दो महिला भी शामिल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में शनिवार को 2 महिला नक्सलियों समेत 9 हार्डकोर नक्सलियों ने आत्म समर्पण कर दिया है। इनमें से 2 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपए के इनाम थे और 4 नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की गई थी। सरेण्डर हुए सभी 9 नक्सलियों पर कुल 43 लाख रुपए का इनाम घोषित था, जो बुर्कापाल घटना समेत दर्जनों घटनाओं में शामिल रहे हैं। इन सभी नक्सलियों ने पुलिस के दबाव बढ़ने पर और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर एसपी किरण चौहान के समक्ष आत्म समर्पण किया है।

बता दें, बस्तर संभाग नक्सलियों का कोर क्षेत्र माना जाता है, लेकिन संभाग के सभी जिलों में सुरक्षा बलों के नए केम्प स्थापित किए गए हैं, जिससे नक्सलियों पर पुलिस का दबाव बढ़ा है। वहीं सरकार द्वारा चलाई जा रही नियद नेल्ला नार योजना से भी प्रभावित होकर नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया और मुख्य धारा से जुड़ कर नए सिरे से शुरुआत करने का फैसला लिया है।

क्या है नियद नेल्लानार योजना?

नियद नेल्लानार का मतलब है 'आपका आदर्श गांव'। यह योजना विष्णुदेव साय सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें सुरक्षा कैंपों के पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत हितग्राहियों तक पहुंचाने की मुहिम चलायी जा रही है। इस योजना के सुचारू क्रियान्वयन से इसका असर अब अंदरूनी गांवों में भी देखने को मिल रहा है। स्थानीय हाट बाजार अब गुलजार होने लगे हैं। बंद पड़े हाट बाजार और स्कूल अब फिर से शुरू हो रहे हैं, जिससे बस्तर अंचल की तस्वीर बदल रही है। नक्सली प्रतातीशील समाज का हिस्सा बनने सामने आकर आत्म समर्पण कर रहे हैं और सरकार उनका पुनरुत्थान कर रही है। सालों से बम धमाकों के बीच दहशत में जीवन गुजारने वाले आदिवासियों के जीवन का पुराना दौर लौटने लगा है और इन इलाकों में सालों बाद मांदर की थाप फिर गूंजने लगी है।

सीआरपीएफ का जवान आईईडी विस्फोट में घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विस्फोट महादेव घाट इलाके में हुआ, जहां सुबह के समय सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन की एक टीम अभियान पर थी। उन्होंने बताया कि गश्त के दौरान सीआरपीए के एक जवान का पैर आईईडी पर पड़ गया, जिससे उसमें विस्फोट हो गया।

अधिकारी ने बताया कि घायल जवान को बीजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले शुक्रवार को पड़ोसी जिले नारायणपुर में दो स्थानों पर नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट होने से एक ग्रामीण की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे। छह जनवरी को नक्सलियों ने बीजापुर जिले में एक वाहन को आईईडी में विस्फोट करके उड़ा दिया था, जिससे आठ पुलिसकर्मी और एक आम वाहन चालक की मौत हो गई थी।

पिकअप से 61 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

बलरामपुर। वाड्रफनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिकअप वाहन से 61 पेटी अंग्रेजी शराब पकड़ने में कामयाबी पाई है। अवैध शराब मध्यप्रदेश से वाहन में खाली सब्जी ट्रे के नीचे छुपाकर लाई जा रही थी।

मध्यप्रदेश से अंग्रेजी शराब को लाए जाने का क्रम बदस्तूर जारी है। गाहे-बगाहे पुलिस कार्रवाई कर अवैध शराब के परिवहन में लगे गाड़ियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल करती रहती है, लेकिन इस पर लगाम कसना नामुमकिन साबित हो रहा है।

ताजा घटनाक्रम में जब्त की गई अवैध अंग्रेजी शराब की कीमत करीबन 12 लाख रुपए आंकी गई है। वाहन चालक को मौके पर गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। इसके साथ अवैध शराब और वाहन को जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तातापानी महोत्सव: बालीवुड, छालीवुड और भोजपुरी कलाकारों से सजेगी शाम

बलरामपुर। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में होने वाले तातापानी महोत्सव में बालीवुड, छालीवुड और भोजपुरी कलाकारों से शाम सजेगी। आयोजन साफ-सुथरा रहे, इसके लिए कार्यक्रम स्थल में शराब लेकर आना और नशे की हालत में पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई भी होगी।

मकर संक्रांति के अवसर पर छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में होने वाले तातापानी महोत्सव की तैयारियां जोरों पर है। 14 से 16 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इस महोत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के साथ लाखों श्रद्धालु और पर्यटक हिस्सा लेंगे।

महोत्सव को लेकर कलेक्टर राजेंद्र कटरा ने प्रेसवार्ता में बताया कि सुरक्षा और पार्किंग की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महोत्सव में 300 जोड़ों का सामूहिक विवाह भी होगा। मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ के मंत्री नवविवाहितों को आशीर्वाद देंगे। वहीं, सरकारी योजनाओं के स्टॉल, हस्तशिल्प प्रदर्शनी और स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेने का भी मौका मिलेगा।

तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ी, बॉलीवुड और भोजपुरी संगीत कार्यक्रम होंगे, जिसमें बालीवुड के सिंगर और म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन शर्मा, भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, और गरिमा दिवाकर की विशेष प्रस्तुति होगी। स्कूली बच्चों और स्थानीय कलाकारों को भी अपनी कला प्रदर्शन का मौका दिया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर ने बताया कि आयोजन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शराब पीकर आने वालों और वाहन चलाने वालों पर विशेष नजर रखी जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान जिला पंचायत सीईओ रैना जमील ने भी आयोजन को लेकर जानकारी दी।

मुंगेली कुसुम पावर प्लांट हादसे में प्लांट के आपरेशन मैनेजर, प्रबंधक और इंचार्ज व अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज

■ मृतक के परिजनों की शिकायत पर हुई कार्यवाही

मुंगेली। सरगांव क्षेत्र में कुसुम प्लांट में साइलो गिरने की दुर्घटना के मामले में मृतक मजदूर के रिश्ते में मामा की शिकायत पर प्लांट के आपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, प्रबंधक और इंचार्ज अमित केडिया व अन्य के विरुद्ध सरगांव पुलिस ने अपराध क्रमांक 2/2025 धारा 106(1),289,3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। रेस्क्यू कार्य अभी भी जारी है।

जिला मुंगेली थाना सरगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामबोड़ स्थित कुसुम स्मेल्टर्स प्राईवेट लिमिटेड पॉवर प्लांट में 9 जनवरी को दोपहर करीब 01 बजकर 09 मिनट में प्लांट में रखे भारी सैलो (भंडारण टैंक) अचानक गिरने से 4 व्यक्ति (प्लांट कर्मचारी) सैलो की चपेट में आने से नीचे दब गए। सूचना पर जिला कलेक्टर राहुल देव एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए सूचना उपरांत तत्काल कुसुम पॉवर प्लांट पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लेकर त्वरित पुलिस टीम, रेस्क्यू टीम, स्वास्थ्य विभाग, शासन प्रशासन के समस्त अधिकारी कर्मचारी को राहत कार्य में लगाया गया। मौके में 01 व्यक्ति को रेस्क्यू किया गया जिसे अस्पताल ले जाया गया था जिसकी ईलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक की शिनाख्त मनोज कुमार घृतलहरे पिता चेनाराम उम्र 30 वर्ष साकिन अमेरी अकबरी (दगोरी) जिला बिलासपुर के रूप में की गई। वहीं अवधेश कश्यप (पिता निखादराम कश्यप) निवासी तागा, जांजगीर-चांपा, प्रकाश यादव (पिता परदेशी यादव) निवासी अकोली, बलौदाबाजार तथा जयंत साहू (पिता काशीनाथ साहू) निवासी जबड़ापारा, सरकंडा, बिलासपुर शामिल है। मामले में जानकारी सामने आई कि प्रबंधन के जिम्मेदारों द्वारा सेलों टैंक में लापरवाहीपूर्वक क्षमता से अधिक मात्रा में माल भरना पाए जाने से सेलों टैंक के टूटकर गिरने से पीड़ित मनोज घृतलहरे को आई चोट से इलाज दौरान मृत्यु हो गई। मृतक के मामा की रिपोर्ट पर कुसुम प्लांट के ऑपरेशन मैनेजर अनिल प्रसाद, इंचार्ज अमित केडिया, प्रबंधक एवं अन्य के विरुद्ध अपराध क्रमांक 02/25 धारा 106(1),289,3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गया है। उक्त सभी मृतकों के शवों को पोस्ट मार्टम के जिए सिम्स हास्पिटल बिलासपुर भेज दिया गया है। जहां मुआवजे की मांग को लेकर पीएम करने नहीं दे रहे थे। प्लांट प्रबंधन के द्वारा 1 लाख का मुआवजा दिए जाने के बाद परिजन शव लेने और अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए।

मिली जानकारी के अनुसार प्लांट के 200 कर्मचारी तथा तीन ठेका कंपनियों के 200 कर्मचारी (कुल 400 कर्मचारी) प्लांट में काम करते हैं। जिस साइट पर यह हादसा हुआ वहां चार कर्मचारी कार्यरत थे। हादसे के वक्त लंच टाइम था। अन्यथा जान माल की और भी हानि हो सकती थी। अटेंडेंस रजिस्टर से उपस्थित कर्मचारियों की सूची लेकर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें फोन लगाकर सकुशल बाहर होने की तस्दीक की जा रही है।

उद्योग मंत्री दर्री और कोसाबाड़ी में विभिन्न लोकार्पण कार्यक्रम में हुए शामिल

कोरबा। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन कोरबा नगर निगम क्षेत्र के दर्री जोन के वॉर्ड क्रमांक 47 में आयोजित भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में 44 लाख के विकास कार्यों की सौगात दी।

मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र के दर्री जोन के वॉर्ड क्रमांक 47 गोपालपुर शिव मंदिर के समीप प्रभारी मद के 15 लाख की लागत से से भारिया समाज सामुदायिक भवन के पास नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण के साथदूसाथ अधोसंरचना मद और जिला खनिज न्यास मद से निम्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इसके साथ ही वार्ड 45 रामनगर में सामुदायिक भवन के पास किचन शेड निर्माण कार्य 4 लाख, वार्ड 47 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सामुदायिक गवन निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड के 48 सलिहाभाठा सुमेधा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 10 लाख, वार्ड 53 नदियाखार पुलिया के पास मुक्तिधाम निर्माण कार्य 5 लाख कुल 29 लाख के कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन का भारिया समाज के लोगों ने आभार और अभिनंदन किया। समाज के प्रमुख जनों की मांग पर सामुदायिक भवन के बाउंड्रीवाल और चेका टाइल्स के लिए मंत्री ने 15 लाख की स्वीकृति की सहर्ष घोषणा की।

इसी तरह कोरबा नगर निगम आवसीय कॉलोनी परिसर स्थित शिव मंदिर में विधायक मद, प्रभारी मद से वार्ड क्र. 22 नगर पालिक निगम आवासीय कालोनी कोरबा में न.पा.नि. कोरबा द्वारा निर्मित पंडाल मे शेड एवं हाल का निर्माण 10 लाख, वार्ड क्र. 22 नगर पालिक निगम आवासीय परिसर के सार्वजनिक परिसर में पंडाल का निर्माण कार्य 7 लाख का लोकार्पण किया। साथ ही वार्ड क. 22 न.पा.नि. कोरबा आवासीय परिसर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 6 लाख, वार्ड 33 रामपुर उद्यान का विकास कार्य लागत 20 लाख के कार्यों के भूमिपूजन व शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि विष्णु सरकार में विकास कार्यों की गति का आप अंदाजा लगा सकते हैं जिन कार्यों का स्वीकृति जून में मिली थी उन कार्यों का भूमिपूजन किया गया था, आज उनका लोकार्पण कर आम जन मानस को समर्पित किया जा रहा है।आने वाले दिनों में बहुत सारी उपलब्धियां हमारे शहर के साथ वार्ड के साथ जुड़ेंगी। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि 10 जनवरी के बाद कोरबा नगर निगम का मौजूदा कार्यकाल समाप्त हो चुका है। इसी के साथ कोरबा नगर निगम की बदहाली के कार्यकाल का अवधि भी समाप्त हो चुका है। आने वाले दिनों में आप सभी के आशीर्वाद और समर्थन के साथ कोरबा नगर निगम में विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल, कौशल देवांगन, पूर्व पार्षद चंद्रलोक सिंह, कोसाबाडी मंडल अध्यक्ष डॉ राजेश राठौर, दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू, ज्योति वर्मा, पूर्व पार्षद विजय साहू, नारयण ठाकुर, तुलसी ठाकुर, राज जायसवाल, पुष्पा कंवर, फौरत साहू ममता साहू, कविता राजपूत, मुकुंद सिंह, भारिया समाज का अध्यक्ष विजय भारिया, रामकुमार, हेमलाल, गौरी भारिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने ली परेड की सलामी

जगदलपुर। रक्षित केंद्र में जनरल परेड आयोजित की गई। जिसमें पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा जनरल परेड में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परेड एवं टर्नआउट का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने हमेशा अनुशासित रहने के संबंध में हिदायत दी। साथ ही रक्षित केंद्र के वाहन शाखा में जिले में मौजूद वाहनों का भी निरीक्षण किया। वाहन को अच्छे रखरखाव रखने वाले पुलिस के वाहन चालकों को पुरस्कृत तथा रखरखाव में कमी पाए जाने पर वाहन चालकों को वाहन अच्छे स्थिति में रखने हेतु हिदायत दी। साथ ही परेड में मौजूद कर्मचारियों की परेशानियों को सुना गया और और तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए।। इस दौरान पुलिस अधीक्षक के अतिरिक्त, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग, नगर पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर, नगर पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल, प्रशिक्षु आईपीएस गगन कुमार के अलावा जिले के राजपत्रित ,अराजपत्रित अधिकारी समेत लगभग 200 अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहें।

बैगा परिवारों के छह सदस्य गणतंत्र दिवस में होंगे शामिल

कवर्धा। पंडरिया विकासखंड के तीन विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों के छह सदस्य 26 जनवरी को देश की राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ में आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ आयोजित विशेष रात्रि भोज में सम्मिलित होने का भी सम्मान प्राप्त होगा। यह अवसर न केवल इन परिवारों के लिए, बल्कि पूरे कबीरधाम जिले के लिए गौरव और सम्मान का पल होगा। राष्ट्रपति मुर्मु के विशेष आमंत्रण पर कबीरधाम जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवार के तीन परिवारों को आमंत्रित किया गया है। विशेष आमंत्रित बैगा परिवारों में ग्राम पंचायत कादावनी के आश्रित ग्राम पटपरी की जगतिन बाई बैगा और उनके पति फूल सिंह बैगा, ग्राम तेलियापानी की तीरती बाई बैगा और पति बुध सिंह बैगा, और ग्राम तेलियापानी की ही बाली बाई बैगा, पति सोनू राम बैगा कुल छः बैगा सदस्य हैं। राष्ट्रपति के विशेष निमंत्रण पर दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मिलित होने का गौरव प्राप्त होगा।

दपूमरे मजदूर कांग्रेस के मध्य औपचारिक बैठक सम्पन्न

बिलासपुर। मंडल सभागार में मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल की उपस्थिति में शुक्रवार को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री योगेश कुमार देवांगन, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री चंद्रभूषण सहित सभी शाखाधिकारी एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस के महामंत्री श्री पीताम्बर लक्ष्मी नारायण , मंडल समन्वयक श्री बी कृष्ण कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा नवनिर्वाचित श्रम संगठन के पदाधिकारियों का एवं श्रम संगठन द्वारा मंडल रेल प्रबंधक का स्वागत किया गया। तत्पश्चात वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अंशुमन मिश्रा के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया । मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं मंडल रेल प्रबंधक के मध्य सकारात्मक चर्चा हुई, जिसमें मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारियों ने प्रशासन के सभी कार्यों में सहयोग करने की बात कही।

मुंगेली हादसा : कुसुम प्लांट में चला रेस्क्यू ऑपरेशन

मुंगेली/बिलासपुर। मुंगेल जिले के सरगांव में ग्राम पंचायत रामबोड़ स्थित कुसुम प्लांट में साइलो हटाने के बाद कलेक्टर राहुल देव, एसपी भोजराम पटेल की उपस्थिति में जिला प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, की टीम द्वारा पूरी रात चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। लगभग 40 घंटे चले इस ऑपरेशन में राखड़ के मलबे में फंसे तीन शवों को निकाल लिया गया है। मृतकों में अवधेश कश्यप, पिता निखादराम कश्यप निवासी तागा जांजगीर चांपा, प्रकाश यादव, पिता परदेशी यादव निवासी अकोली बलौदाबाजार, जयंत साहू, पिता काशीनाथ साहू निवासी जबड़ापारा सरकंडा बिलासपुर हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिलासपुर सिम्स भेजा गया है।

डाइट कॉलेज की व्याख्याता ने लिखा चार पेज का सुसाइड नोट

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के डाइट कॉलेज में पदस्थ रमा गोस्वामी व्याख्याता ने आत्महत्या करने की कोशिश की है। उन्होंने डाइट कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य बीपी साहू पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। वहीं चार पेज का सुसाइड नोट भी लिखा था जिसमें अपने बच्चों और छात्र-छात्राओं से माफी मांगी है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर सात की है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की बीती रात रमा गोस्वामी अपने परिवार के साथ घर पर थीं। इस दौरान उन्होंने चार पेज का सुसाइड नोट लिखा और उसे कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर घर में रखी कुछ दवाई खाकर सो गई। ग्रुप के लोगों को जानकारी होने पर घर पहुंचे और उपचार के लिए जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया गया। सिविल सर्जन डॉ दीपक जसवाल ने बताया कि अभी रमा गोस्वामी 44 वर्ष की तबियत स्थिर है। व्याख्याता रमा गोस्वामी ने सुसाइट नोट में लिखा कि मुझे व्याख्याता के रूप में कार्य करते 22 वर्ष हो चुके हैं, इस दौरान मैंने कई उतार चढ़ाव देखे।

खड़ी ट्रेन की एसी बोगी में लगी आग

■ मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना

दुर्ग। दुर्ग रेलवे स्टेशन के यार्ड में खड़ी एक यात्री बोगी में आग लगने से हड़कंप मच गया। रेलवे के अधिकारियो ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन के आउटर यार्ड में बड़ी संख्या में ट्रेन खड़ी थी जहां आज सुबह 10 बजे एक यात्री बोगी के एसी कोच में धुआं निकलते देखकर रेलवे अधिकारियों को सूचना दिया गया कुछ देर में एसी कोच बोगी आग की लपटे निकलने लगी आग एसी कोच के बोगी से शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है।आग की सूचना पर बड़ी संख्या में रेलवे के अधिकारी और जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड को सूचना दिया गया जिसके बाद फायर ब्रिगेड को टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रहा है।

जानकारी के अनुसार दुर्ग रेलवे स्टेशन के गुड शेड में बोगियों का खड़ा किया जाता है इस दौरान आज सुबह एसी कोच से धुआं निकलते देखने गया। जिसके बाद रेलवे के कर्मचारियों ने आग लगी कोच को अलग किया गया ताकि दूसरे कोच में आग न फैल सके।

जीआरपी प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि आग की सूचना मिलने पर टीम के साथ गुड शेड यार्ड पर रवाना हुए जहां यार्ड में खड़ी एक एसी कोच में आग की लपटे निकलते देखने पर फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। जिस कोच में आग लगी वहां एसी कोच है जिसमे शॉर्ट सर्किट से आग लगने का संभावना जताई जा रही है। यह कोच अतिरिक्त कोच था जो किसी कोच में खराबी आने पर भेज जाता था।

ओडिशा के पूर्व मंत्री नबा दास के बेटे समेत हिरासत में लिए गए 22 लोग

महासमुंद। जिले के सरायपाली पुलिस ने ओडिशा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नबा दास के बेटे विशाल दास सहित लगभग 22 लोगों को गुरुवार रात 11 बजे हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए लोगों को अलग-अलग जगहों पर रखा गया था, बताया गया है कि इनमें सरपंच, समिति के सदस्य और पंच शामिल थे। ये सभी शुक्रवार सुबह 10:30 बजे किरमिरा ब्लॉक अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले थे। उससे पहले इनको गिरफ्तार किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पकड़े गए लोगो ने इस पूरी कार्रवाई को राजनीतिक साजिश बताया है। ग्राम पंचायत बनपाली ओडिशा के सरपंच तपी मरैई का कहना है कि वे और उनके साथी सरायपाली घूमने आए थे। लेकिन गुरुवार रात करीब 11 बजे ओड़िसा के लैकेरा पुलिस ने उन्हें झूठे मामले में गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उन्हें छत्तीसगढ़ के सरायपाली पुलिस को सौंप दिया। इस मामले पर बीजेडी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका आरोप है कि यह कार्रवाई पूरी तरह से राजनीतिक दबाव में की गई है। विशाल दास सहित 22 लोगों को शाम चार बजे नोटिस देकर छोड़ा गया है।

फ्लोरामैक्स कंपनी की पीड़ित महिलाओं का अनशन जारी

■ सेहत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती, पुलिस पर आरोप

कोरबा। कोरबा में फ्लोरा मैक्स कंपनी में रुपये निवेश कर हजारों महिलाएं सड़क पर आ गई है। बैंक से लोन वापसी को नोटिस मिलने से परेशान महिलाएं तानसेन चौक पर अनशन पर बैठ गई हैं जिससे उनकी सेहत बिगड़ने लगी है। बीती रात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और महिलाओं को जबरन एंबुलेंस में बिठाकर अस्पताल ले आई। महिलाओं का कहना है कि इस दौरान उनके साथ अभद्रता भी गई।

फ्लोरा मैक्स कंपनी में बैंकों से लोन लेकर रुपए निवेश करने वाली महिलाओं के सामने विकट स्थिती निर्मित हो गई है। लोन माफी के लिए तानसेन चौक पर बैठी महिलाओं का प्रदर्शन जारी है। पिछले कई दिनों से अनशन पर बैठी महिलाओं की सेहत गिरने लगी है। प्रदर्शन के कारण कई महिलाओं ने बिस्तर पकड़ लिया है,बावजूद इसके उनका अनशन जारी है। इसी कड़ी में बीती रात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और महिलाओं को जोर जबरदस्ती एंबुलेंस में बैठाकर मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल ले आई। महिलाओं बताया कि उनके प्रदर्शन को प्रशासन जबरदस्ती दमन करना चाहता है। वे जाना नहीं चाहती थी,बावजूद उनके साथ झूमाझटकी की गई। इस दौरान कुछ महिलाओं को चोट भी लगी है। महिलाओं ने स्पष्ट रूप से कहा,कि जब तक उनका लोन माफ नहीं होता प्रदर्शन जारी रहेगा।

फ्लोरा मैक्स चीटिंग कांड का यह मामला पूरी तरह से तूल पकड़ चुका है। महिलाओं के करोड़ों रुपए ठगने वाले कंपनी के कर्ता-धर्ता जेल में है और महिलाएं लोन माफी के लिए सड़क पर जमी हुई हैं। कड़ाके की ठंड में महिलाओं की सेहत पर बुरा प्रभाव ना पड़े इस कारण पुलिस उन्हें अस्पताल ले आई।

संक्षिप्त समाचार

उप राष्ट्रपति धनखड़ 15 को गुरु घासीदास विवि के दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल

बिलासपुर। 15 जनवरी को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल होंगे। विवि प्रशासन के साथ ही प्रशासनिक स्तर के अधिकारी तैयारियों जुट गए है। कुलपति आलोक कुमार चक्रवाल की उपस्थिति में संभागायुक्त महादेव कावरे और आईजी संजीव शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उप राष्ट्रपति कार्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई और उनका अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर अवनीश शरण और एसपी रजनेश सिंह ने भी कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखने के लिए विशेष बिंदुओं को रेखांकित किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल और हेलीपेड का निरीक्षण किया और तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन विश्वविद्यालय और केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में हेलीपेड बनाए गए हैं। कार्यक्रम स्थल को नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिम्स और अपोलो अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया है। इसके अलावा, 14 जनवरी को सभी तैयारियों को परखने के लिए फाइनल रिहर्सल आयोजित किया जाएगा।

रायपुर में गैंगवार, दो पक्षों में जमकर चले चाकू-छुरी, दो युवक गंभीर रूप से घायल

रायपुर। राजधानी रायपुर में बदमाशों के हौसले बुलंद है। चाकूबाजी की घटना लगातार सामने आ रही है। लुट, चोरी और मारपीट जैसे मामले थमने का नाम नहीं ले रही है। ऐसी ही एक और घटना शहर से निकलकर सामने आई है, जहां दो गुटों में गैंगवार हो गया। इस दौरान जमकर चाकूबाजी चली। इससे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पूरा मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है। जहां देर रात हुए दो गुटों के बीच खुनी लड़ाई में दोनों पक्षों के एक-एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी एक अनुसार, किसी मामूली बातों को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हुआ। विवाद धीरे-धीरे बढ़ते गया और देखते ही देखते दोनों गुटों के लागों ने चाकू छुरी निकलना शुरू कर दिया। इसी बीच दोनों पक्षों के युवक ने एक दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में हांडीपारा निवासी आलोक कामड़े और बजरंग नगर निवासी वैष्णव मरकाम घायल हो गए। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। जिसके बाद मामला शांत हुआ। घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाना पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

22 आश्रितों को मिली अनुकंपा नियुक्ति कलेक्टर ने सौंपे नियुक्ति पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर नगर निगम में 22 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। अपने पालक के असामयिक निधन के बाद नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे 22 आश्रितों को कलेक्टर अवनीश शरण ने मंथन सभागार में सभी कोक चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियुक्ति पत्र सौंपे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 31 दिसंबर 2024 को विभागीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिए थे कि सभी नगरीय निकायों में अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रियाएं 10 जनवरी 2025 तक पूरी की जाएं। बिलासपुर नगर निगम ने इन निर्देशों का पालन करते हुए तत्परता से कार्य किया और समय-सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी कर सभी आश्रितों को आज नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र पाकर आश्रितों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सभी ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात की। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति मिलने पर आभार जताया। उप मुख्यमंत्री साव ने आश्रितों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सब मन लगाकर काम करें और संस्थान की प्रगति में योगदान दें।

प्रदेश में शीतलहर का कहर जारी, दो दिनों बाद न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। खास कर सरगुजा संभाग में ज्यादा ठंड है। सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के कई इलाकों में शीतलहर का कहर जारी है। यहां न्यूनतम तापमान में लगातार नीचे जा रहा है। इससे ठंडी में बढ़ोतरी होने लगी है। साथ ही सरगुजा संभाग के कुछ जिलों के साथ ही प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों के आउटर इलाकों ठिठुरन है। खासतौर सुबह और रात को ठंडी हवाएं ठिठुरा रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो दिनों तक मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। हालांकि इस बीच न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी, जिससे ठंड में कमी आ सकती है। आगामी दो तीन दिनों के बाद मौसम में बदलाव हो सकता है। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि छत्तीसगढ़ में उत्तरी हवाओं का आगमन जारी रहेगा। इस ठंडी हवाओं का प्रवाह से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, लेकिन एक दो दिनों में उत्तरी हवाओं का दिशा बदलने की संभावना है, जिससे रात का तापमान में धीरे धीरे बढ़ोतरी होगी, जिससे प्रदेश में ठंड में कमी आ सकती है।

पीएससी घोटाले में दो और लोग पकड़े गए

रायपुर। सीजी पीएससी घोटाले मामले दो और लोगों को सीबीआई द्वारा पक.बताया जा रहा है कि इनमे से एक पीएससी का अफसर भी है। सीबीआई पकड़े गए लोग को कोर्ट में पेश कर सकती है।

'छत्तीसगढ़ के रामायण' वीडियो पर सियासत, पंकज झा ने कहा- वीडियो से पीआर टीम का लेना-देना नहीं

भूपेश बघेल के बयान पर सीएम के मीडिया सलाहकार का पलटवार

रायपुर। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे 'छत्तीसगढ़ के रामायण' वीडियो पर सियासत शुरू हो गई है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बयान पर सीएम साय के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने कहा है कि इस वीडियो से किसी कथित पीआर टीम का लेना-देना नहीं है। भावना आहत हुई हो तो आप न्यायिक उपचार का सहारा ले सकते हैं। इस सरकार का दरवाजा हर प्रार्थी के लिए सदा खुला हुआ है।

भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए पंकज झा ने कहा है कि जैसा आपका और आपकी पार्टी का रिकॉर्ड रहा है श्रीमान, वैसे में कोई बड़ी बात नहीं कि सुर्खियां बटोरने के लिए खुद ही बनवाया हो और उसका खुद ही विरोध कर हमेशा की तरह नॉन इशू को इशू बनाने में लगे हो। अगर ऐसा नहीं है तो आम जनता सोशल मीडिया पर अपनी तरह से आजकल रचनात्मक अभिव्यक्ति करती है। इसमें अनावश्यक रूप से किसी 'टीम' पर प्रहार करना आपकी विवशता दिखाता है। अगर यह आपकी टीम ने नहीं किया है तो ऐसी क्रियेटिविटी को अपने विरुद्ध प्राकृतिक न्याय मानकर कृपया सहन कीजिए। भांचा राम आपको सहिष्णु बनाएं।

झा ने पोस्ट पर आगे लिखा है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तमाम अपराधों को अगर क्षमा भी कर दिया जाए तो जिस तरह की हरकत आपकी टीम ने अटलजी की स्मृति को बदनाम कर किया था, जिस तरह आप लोगों ने राज्य निर्माता भारत रत्न का अपमान किया था, जिस तरह एक राजनीतिक अभियान के तहत गांवों से एकत्र मिट्टी को आपने सत्ता के अहंकार में अटलजी की अस्थि के रूप में दुष्प्रचारित करने की कोशिश की थी, उसके आगे तो ऐसे लाखों वीडियो कम होंगे। अगर यह आपकी टीम का काम नहीं है तो इसे जनता की ऑर्गेनिक अभिव्यक्ति मानते हुए स्वीकार कीजिए।

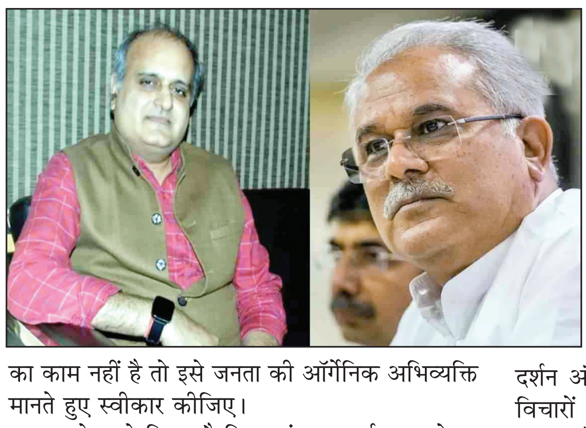

झा ने आगे लिखा है कि जहां तक मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का प्रश्न है तो उसी परम पिता का अंश होने के कारण हम सभी राम होते हैं। अगर वचन निभाने की मर्यादा रखते हों तो। रघुकुल की उस रीत के हम सभी उत्तराधिकारी हैं, जहां 'वचन' को प्राण से भी अधिक महत्व का समझा जाता है। ऐसा समझने वाले सभी श्रीराम हैं ङ्क ईश्वर अंश जीव अविनाशी, चेतन अमल सहज सुखरासी। इसके उलट वचन भंग के अपराधी को समाज रावण समझता है। अगर तुलना करनी हो, प्रेरणा लेना हो तो अपने आराध्य श्रीराम से ही लेंगे न, रावण से थोड़े ही लेंगे? भारतीय मनीषा यह कहता है कि हम सबके भीतर श्रीराम और रावण, सतो गुण और तमों गुण के रूप में विद्यमान होते हैं। यह हम पर, हमारे कर्मों पर निर्भर करता है कि हम क्या होना चाहते हैं, किनसे प्रेरणा लेना चाहते हैं।

उन्होंने आगे लिखा है, भगवान श्रीराम के लिए अनर्गल और अनुचित शब्दों का उपयोग करने वाले संस्कार से यह भाव समझना कठिन है। जिस पार्टी और इण्डी गठबंधन के नेतागण, परिजन भगवान श्रीराम को अपमानित करते हों, उनके लिए अशोभनीय शब्द उच्चारित करते हों, उनके होने का प्रमाण मांगते हों, सनातन की तुलना घृणित बीमारियों से करते हों, उस समूह के लोगों द्वारा विवशता में ही सही भांचा श्रीराम का नाम लेना सुखकर है, बशर्ते वह 'कालनेमि भावना' से नहीं लिया जा रहा हो। हम सभी 'राम' हों, राममय हों, एक-दूसरे में श्रीराम का दर्शन और प्रतीति पाने लगें, ऐसी प्रीति हममें सनातन विचारों के प्रति हो, इससे पुनीत विषय और क्या हो सकता है भला जल में, थल में, खड्ग खम्ब में सबमें श्रीराम व्यापित हैं। आपको श्रीराम महोत्सव की, श्रीअवध में वैभव के संग रामलला के विराजमान होने वाले पुण्य दिवस की शुभकामना। जय सियाराम।

भूपेश बघेल ने कसा तंज, कहा- सीएम कुछ भी हो सकते हैं पर भगवान नहीं

बता दें कि छत्तीसगढ़ के रामायण नाम से वायरल वीडियो में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भगवान राम और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रावण बताया गया है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री जी, आप कुछ भी हो सकते हैं, लेकिन भगवान नहीं। 'छत्तीसगढ़ के रामायण' को सोर्स को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। इस वीडियो के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पीआर टीम को जिम्मेदार ठहराया है।

'छत्तीसगढ़ के रामायण' के किरदारों पर अरुण साव का तंज

सोशल मीडिया में वायरल 'छत्तीसगढ़ के रामायण' के पात्रों को लेकर शुरू हुए विवाद पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को उस रूप में दिखाया गया है, तो उन्हें सोचना चाहिए। विष्णु का सुशासन केवल नारा नहीं है, हमने वास्तव में इसे करके दिखाया है। छत्तीसगढ़ के रामायण में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को राम के तौर पर दर्शाए जाने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि इस पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है, लेकिन यह कल्पना सही है कि जिस तरह से राज्य में हमारी सरकार काम कर रही है। जिस प्रकार से हम जरूरतमंद को सेवा कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वहीं नगरी निकाय चुनाव में कांग्रेस की तैयारी नहीं दिखने पर कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता अपनी पार्टी के बारे में विचार करने की बजाय इधर-उधर की बातें करके जनता में भ्रम फैलाने का काम करते हैं। कांग्रेस के नेता अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी निश्चित रूप से लोग काम करने के लिए तैयार नहीं हो रही है। जनता तो दूर जा ही चुकी है, कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता भी पार्टी से दूर जा रहे हैं। इसके साथ विष्णु की सरकार राम राज्य के कितने करीब हैं, इस पर अरुण साव ने कहा कि जिस राज्य में गरीबों की सेवा हो, जरूरतमंदों को मदद हो और सरकार का काम निष्पक्ष और पारदर्शी हो, इसी से राम राज्य की कल्पना की जा सकती है। पारदर्शिता के लिए लगातार हमारी सरकार ने काम किया है।

व्यापम की परीक्षाओं का कैलेंडर जारी, 32 से अधिक परीक्षाएं

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए खुला नौकरी का पिटारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विभिन्न विभागों के रिक्त पदों के लिए भर्ती परीक्षा और प्रवेश परीक्षाओं के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) ने 2025 के लिए कैलेंडर जारी कर दिया है। व्यापम द्वारा जारी किए गए वार्षिक कैलेंडर में 32 से अधिक परीक्षाओं की संभावित तिथियां दी गई हैं, जिसमें उप अभियंता, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, मत्स्य निरीक्षक, एडीईओ से लेकर पुलिस कांस्टेबल, स्टॉफ नर्स, वार्ड ब्वॉय तक के पद शामिल हैं। ये परीक्षाएं 09 मार्च 2025 से शुरू हो कर 21 दिसम्बर 2025 तक चलेंगी।

संचालनालय कृषि विभाग के अंतर्गत जिनमें प्रयोगशाला सहायक 09 मार्च 2025 और सहायक सांख्यिकी अधिकारी 13 अप्रेल 2025, संचालनालय मछली पालन विभाग के अंतर्गत मत्स्य निरीक्षक 23 मार्च 2025, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उप अभियंता (सिविल एवं वि/यां.), तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत पी.पी.टी. और प्री.एम.सी.ए. का 01 मई, पी.ई.टी. एवं पी.पी.एच.टी. की परीक्षाएं 08 मई 2025 को होगी। पीएटी-प्रीव्हीपीटी 15 मई, प्रीबीएड एवं प्रीडीएलएड 22 मई, बीएससी नर्सिंग 29 मई, एमएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की परीक्षाएं 05 जून 2025 को। इसी प्रकार सहायक विकास विस्तार अधिकारी 15 जून, नगर सैनिक का 22 जून 2025 को परीक्षा संभावित है।

लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पदों के लिए परीक्षा तिथि 13 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग में उप अभियंता (सिविल) एवं उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) पद के लिए परीक्षा 20 जुलाई, आयुक्त आबकारी में आबकारी आरक्षक पद के लिए 27 जुलाई, उच्च शिक्षा संचालनालय में प्रयोगशाला परिचारक पद के लिए परीक्षा 03 अगस्त, मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग में डार्करूम असिस्टेंट, पेस्टिंग बॉय, ऑग्जीलरी, इंकमैन/इंकर, जूनियर बाईडर, हमाल, सफाई कर्मचारी, चौकीदार, भृत्य, हेल्पर (समूह-6) पदों के लिए परीक्षा 31 अगस्त तथा छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) एवं 06 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में कनिष्ठ प्रबंधक-(2) (कंसट्रक्शन, मेंटनेंस), उप प्रबंधक (उपयंत्री), कनिष्ठ प्रबंधक संवर्ग (कृषि विशेषज्ञ), कनिष्ठ प्रबंधक-(2), (आईटी, प्रोग्रामर), कनिष्ठ संवर्ग (आईटी विशेषज्ञ), उप प्रबंधक (प्रोग्रामर) एवं सहायक प्रबंधक (सहायक प्रोग्रामर) पदों की परीक्षा तिथि 7 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है।

इसी तरह गृह पुलिस विभाग अंतर्गत आरक्षक संवर्ग 14 सितम्बर, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्टाफ नर्स 21 सितम्बर एवं वार्ड ब्वॉय एवं वार्ड आया 12 अक्टूबर और ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष एवं महिला 09 नवम्बर 2025 को परीक्षाएं आयोजित होगी। मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के विभिन्न पदो पर 30 नवम्बर, जल संसाधन विभाग के अंतर्गत अमीन 07 दिसम्बर, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर अंतर्गत अनुवादक 14 दिसम्बर और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत केमिस्ट पदों के लिए 21 दिसम्बर को संभावित परीक्षा तिथि जारी की गई है। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी व्यापम की ऑफिशियल वेबसाइट vyapam.cgstate.gov.in का अवलोकन कर सकते हैं।

गौमांस बिक्री मामले दो महिला आरोपी भी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौ हत्या मामले में पुलिस ने अन्य दो महिला आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इस तरह इस मामले में अब तक कुल आठ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पहले से गिरफ्तार छह आरोपियों से पूछताछ के आधार पर इस केस में शामिल अन्य दो महिला आरोपियों की भी गिरफ्तारी की गई।

पुलिस ने दो महिला आरोपी बिलकिस बानो और एरम जेहरा को गिरफ्तार कर दोनों के खिलाफ कार्रवाई की है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

गिरफ्तार दो महिला आरोपी

1. बिलकिस बानो उम्र 70 साल निवासी मोमिनपारा थाना आजाद चौक रायपुर। 2. एरम जेहरा उम्र 30 साल निवासी मोमिनपारा थाना आजाद चौक रायपुर।

ये आरोपी पूर्व में गिरफ्तार

1. समीर मण्डल उम्र 36 साल निवासी नंदग्राम मधबापुर ग्राम जे एल नंबर 152 थाना कोतुलपुर जिला बांकुरा कलकत्ता पश्चिम बंगाल। वर्तमान पत- दरगाह वाली गली मौदहापारा रायपुर। 2. खुर्शीद अली उम्र 30 साल निवासी मोमिनपारा दुलदुल गली के पास थाना आजाद चौक रायपुर। 3. मोह. मुन्तजीर हैदर उर्फ हैदर उम्र 30 साल निवासी डॉ. भागवत क्लिनिक के सामने मोमिन पारा थाना आजाद चौक रायपुर। 4. अशफाक अली उम्र 47 साल निवासी मोमिनपारा जे के किराया भण्डार के सामने थाना आजाद चौक रायपुर। 5. अरमान हैदर उम्र 28 साल निवासी मोमिनपारा दुलदुल गली हाण्डीपारा थाना आजाद चौक रायपुर। 6. मोह. ईरशाद कुरैशी उम्र 28 साल निवासी बिलाल नगर बोरियाखुर्द थाना टिकरापारा रायपुर।

इससे पहले पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से गौमांस, नायलोन रस्सी, लकडी का गुटका, तराजू, किलो बाट, मांस काटने का चार बडा हथियार/चाकू और बिक्री 2 हजार 550 रुपये जब्त किया गया है। आरोपियों के खिलाफ थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 13/25 धारा 299, 325 बीएनएस और छग कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 5, 6, 10 के तहत अपराध दर्ज कर किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, थाना आजाद चौक के तहत मोमिनपारा स्थित एक मकान में कुछ व्यक्तियों की ओर से गौमांस बिक्री किया जा रहा था। सूचना पर पुलिस की विशेष टीम उस मकान में छापा मारा। इस दौरान कमरे में एक व्यक्ति मौजूद था। पुलिस पार्टी आते देख अन्य कई लोग मौके से भाग निकले। पकड़े गये व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम समीर मंडल बताया। कमरे की तलाशी लेने के दौरान कमरे में गौमांस, मांस काटने का बड़ा हथियार/चाकू, तराजू सहित अन्य सामग्री मिली।

आरोपी समीर मंडल को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने खुर्शीद अली, मोहम्मद मुन्तजीर हैदर, अशफाक अली, अरमान हैदर एवं मोह. ईरशाद कुरैशी के साथ मिलकर गौमांस की बिक्री करना बताया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन की संकल्पना छत्तीसगढ़ में हो रही साकार: मुख्यमंत्री

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत जिस उद्देश्य के साथ की थी, वह छत्तीसगढ़ में अब साकार हो रहा है। स्वच्छता को लेकर जनमानस में व्यापक चेतना आई है, और करोड़ों परिवारों में शौचालयों का निर्माण हुआ है। यह बात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वच्छता को बढ़ाने के उद्देश्य से आज अपने निवास परिसर से 10 डी-स्लज वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय कही।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और इच्छा शक्ति से यह संभव हो पाया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ एवं विकसित राष्ट्र का संकल्प छत्तीसगढ़वासियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारा प्रदेश हर दिन नये पड़ावों को पार करता हुआ छत्तीसगढ़ को ओडीएफ प्लस मॉडल राज्य बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं है स्वच्छता की जीवन शैली है, जिससे हमारा विकास होगा, देश का विकास होगा। अब तक हमारे प्रदेश के 5 जिले, 58 विकासखंड और 16 हजार से अधिक गांव ओडीएफ प्लस मॉडल हो चुके हैं। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत किए गए पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के 10 विभिन्न जिलों के ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिवों को डी-स्लज वाहनों की चाबी और दस्तावेज सौंपे। उल्लेखनीय है कि इन वाहनों का उपयोग गांवों में घरों से मल निकालने और उसे सुरक्षित तरीके से निपटाने के लिए किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह पहल स्वच्छता और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी के कारण फैलने वाली बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। उन्होंने जनता से भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किए जा रहे हैं, जो मल-मूत्र प्रबंधन को सुदृढ़ करेंगे और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि इस नई पहल के तहत राज्य सरकार स्वच्छता अभियानों को और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गांव के विकास में सरपंच की भूमिका सबसे अहम है। मैं पहले पंच रहा, फिर अच्छा काम करने की वजह से मुझे निर्विरोध सरपंच भी चुना गया। उन्होंने कहा कि यह बताने की वजह सिर्फ एक ही है कि ग्राम पंचायत विकास की सबसे प्राथमिक कड़ी है और पंच तथा सरपंच यदि अपने अधिकार और जिम्मेदारियों के प्रति सजग होंगे तो गांव की तस्वीर बदलने में समय नहीं लगेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता को व्यापक रूप से लागू करने के लिए लगातार प्रयासरत है। डी-स्लज वाहनों के मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने डी स्लज वाहनों की आवश्यकता और उपयोगिता पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

मोवा ओवरब्रिज निर्माण में भ्रष्टाचार, साव ने जमकर लगाई फटकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण में लापरवाही और अनियमितता रुकने का नाम नहीं ले रही है। रायपुर के मोवा ओवरब्रिज में सड़क निर्माण में हिलाहलावा किया गया है। इस पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने मरम्मत कार्य में लापरवाही की खबर पर कार्यस्थल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मरम्मत कार्य में लापरवाही और खराब काम पर फटकार लगाई। संबंधित ठेकेदार और इंजीनियर्स को सख्त चेतावनी दी।

उन्होंने ओवरब्रिज मरम्मत कार्य की जांच करवाकर तीन दिनों में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। सख्त लहजे में संबंधितक अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ताहीन कार्य के लिए जिम्मेदार अधिकारी को नहीं बख्शे जायेंगे। जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जायेगी। सुशासन की सरकार में अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने ठेकेदार को मरम्मत कार्य का एक रुपए भी भुगतान नहीं करने के निर्देश दिए। ऐसा किए जाने पर अधिकारियों के वेतन से भरपाई की जाएगी। साव के मरम्मत कार्य के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता केके पीपरी भी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव के सख्त निर्देश के बाद लोक निर्माण विभाग ने तुरंत जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग ने मरम्मत में घोर लापरवाही पर डामरीकरण कार्य में खराबी आने के कारण और जिम्मेदार अधिकारी जैसे बिंदुओं की जांच मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों से कराकर तीन दिनों में रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने को कहा गया है।

राजधानी रायपुर के मोवा रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया था। जिसका डामरीकृत सतह को उखाड़कर नया डामरीकरण मरम्मत का काम किया गया। ब्रिज की मरम्मत अछि तरह से हो इसके लिए तीन से आठ जनवरी तक ब्रिज को बंद कर काम कराया, लेकिन अब यह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। ब्रिज का नया डामरीकरण मरम्मत एक दिन भी नहीं चल सका और सड़क उखाड़ने लगी।

मोवा रेलवे ओवरब्रिज के ऊपर डामरीकृत सतह को उखाड़कर नया डामरीकरण मरम्मत का काम तीन जनवरी से शुरू किया गया था। कार्य जल्द पूरी करने और यातायात के दबाव के कारण रात तीन से चार बजे तक डामरीकरण किया जा रहा था। इस दौरान दिखा कि डामर से कुछ जगह गिट्टी निकल रही है, जो कि डामर का मटेरियल अधिक गरम होने के कारण है। फिलहाल वहां पर काम अभी पूरा नहीं हुआ है।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

दूरभाष क्र.- 07727-222113 e-mail- actdbalodabazar11@gmail.com

// खुली निविदा आमंत्रण //

क्रमांक/2032/ जाप्रप/2024-25 बलौदाबाजार, दिनांकः- 8/01/25

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग बलौदाबाजार-भाटापारा अंतर्गत संचालित विभागीय छात्रावास/आश्रम एवं आवासीय संस्थाओं के लिए वर्ष 2024-25 हेतु जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, छात्रावास प्रवेशित फार्म, अन्तर्जातीय विवाह फार्म 18 प्रकार के रजिस्टर छात्रावास / आश्रमों में लगने वाली आवश्यक पंजियों की छपाई करने हेतु सील बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा आगामी एक वर्ष तक के लिये प्रभावशील होगी। छपाई की जाने वाली समस्त प्रपत्रों की सूची निविदा प्रपत्र एवं निविदा की शर्ते अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर रूपये 1000/- नगद भुगतान कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा फार्म बिकी की अंतिम तिथि - 14-01-2025
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 20-1-2022 2.00 PM
निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 21-01-2022 प्रातः 11:00

टीपः- अन्य नियम एवं शर्त कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बलौदाबाजार-भाटापारा के सूचना पटल में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर देखी जा सकती है।

जी-242505238/2

सहायक आयुक्त,
आदिवासी विकास, बलौदाबाजार-भाटापारा

दिल्ली में कांग्रेस के सामने शून्य से शुरुआत करने की चुनौती

कृष्णमोहन झा

केंद्रीय चुनाव आयोग ने केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है और इसी के साथ वहां चुनाव में किस्मत आजमाने की मंशा रखने वाले राजनीतिक दलों के चुनाव अभियान में तेजी आ गई है। इन दलों में आम आदमी पार्टी और भाजपा सबसे आगे चल रहे हैं जबकि अतीत में 15 सालों तक सत्ता में रही कांग्रेस पार्टी इन दोनों दलों के मुकाबले बहुत पीछे दिखाई दे रही है। गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी सत्तारूढ आम आदमी पार्टी यह मानकर चल रही है कि दिल्ली की जनता तीसरी बार भी उसे ही सत्ता की चाबी सौंपने का मन बना चुकी है जबकि भाजपा को पूरा भरोसा है कि दिल्ली की जनता से किए गए वादों को पूरा करने में बुरी तरह असफल रही आम आदमी पार्टी से दिल्ली के मतदाताओं का अब मोह भंग चुका है और इन चुनावों में जनता उसे सदन के अंदर विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए मजबूर कर देगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा और आम आदमी पार्टी, दोनों ही दलों के कार्यकर्ता उमंग और उत्साह से भरे हुए हैं, दोनों ही दलों का नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है । दूसरी ओर अगर दिल्ली में कांग्रेस का नेतृत्व खुद ही यह स्वीकार कर चुका है कि इन चुनावों में उसे शून्य से शुरुआत करनी है। जिस पार्टी के नेताओं का ही मनोबल इतना टूट चुका हो कि वे शून्य से शुरुआत करने की निराशा को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने में भी संकोच न करें उस पार्टी के कार्यकर्ताओं की मन:स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वैसे हकीकत भी यही है क्योंकि दिल्ली के पिछले दो विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को एक भी सीट पर जीत का स्वाद चखने का अवसर नहीं मिला है इसलिए उसे शुरुआत तो शून्य से ही करना है। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा के 2013 में संपन्न चुनावों में कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लडा था उसके बाद संपन्न हुए दोनों विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने उसके साथ चुनाव समझौता करने से परहेज़ किया था जिसका खामियाजा कांग्रेस को इस तरह भुगतना पड़ा कि वह एक भी सीट पर जीत दर्ज करने में विफल रही और अब भी जो आसार नजर आ रहे हैं उससे तो यही प्रतीत होता है कि इन चुनावों में भी हताशा की स्थिति से उबरना उसके लिए संभव नहीं हो पाएगा। दरअसल दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जिस तरह आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध बयानबाजी कर रहे हैं वह इंडिया गठबंधन के दूसरे घटक दलों को भी पसंद नहीं आ रहा है। तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी ने तो अरविंद केजरीवाल के समर्थन में बयान भी जारी कर दिया है। इतना ही नहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो यह घोषणा भी कर दी है कि वे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की चुनाव सभाओं में उनके साथ मंच भी साझा करेंगे। जाहिर सी बात है कि इंडिया गठबंधन का प्रमुख घटक होते हुए भी कांग्रेस पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनावों में अलग थलग पड़ती नजर आ रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष भी ऐसा धर्म संकट पैदा हो गया है कि वे दिल्ली में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में होने वाली चुनावी रैलियों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में झिझक रहे हैं। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बयानों से तो यही ध्वनि निकलती है कि कांग्रेस इन विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहती है भले ही सत्ता की बागडोर भाजपा के पास आ जाए। शायद यही कारण है कि आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर भाजपा के इशारों पर चलने का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी की ओर से तो यह धमकी भी दी जा चुकी है कि अगर कांग्रेस का रवैया नहीं बदलता तो वह इंडिया गठबंधन के नेतृत्व से कांग्रेस को बाहर निकालने की मांग करने से परहेज़ नहीं करेगी । दिल्ली विधानसभा की जिन सीटों पर कांग्रेस पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है वहां वह त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति निर्मित करने के लिए जी-तोड़ कोशिश करेगी। सवाल यह उठता है कि कांग्रेस पार्टी आखिर किसके वोट काटने की रणनीति पर चल रही है। जिस तरह आम आदमी पार्टी के ऊपर जनता से वादा खिलाफी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के आरोप लगा रही है उससे आम आदमी पार्टी को नुक़सान होना तय है लेकिन कांग्रेस पार्टी शायद इस हकीकत से अवगत नहीं है कि वह आम आदमी पार्टी का जितना नुकसान करेगी वह उतना ही भाजपा का फायदा होगा क्योंकि दिल्ली के मतदाता अच्छी तरह जानते हैं कि कांग्रेस इन चुनावों में भी अपना खोलने में सफल नहीं हो पाएगी।

इंडिया गठबंधन की कब्र पर खड़ा होगा तीसरा मोर्चा

कमलेश पांडे

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान जो राजनीतिक बयानबाजियां होती दिखाई दे रही हैं, उससे साफ है कि जहां इंडिया गठबंधन अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं एनडीए गठबंधन पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है। इसके अलावा, एक खास लक्षण यह भी दिखाई दे रहा है कि भारतीय राजनीति में कभी कद्दावर समझा जाने वाला कांग्रेस-भाजपा विरोधी तीसरा मोर्चा एक बार फिर से अपना नया आकार ग्रहण कर रहा है।

ऐसा इसलिए कि इंडिया गठबंधन में कांग्रेस जहां अलग-थलग पड़ चुकी है, वहीं दिल्ली-पंजाब जैसे राज्यों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के पक्ष में समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी, एनसीपी शरद पवार जैसे क्षेत्रीय दल कांग्रेस विरोधी एकजुटता दिखा रहे हैं। इससे लोगों में यह संदेश जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में सियासी लड़ाई सत्तारूढ़ पार्टी आप और प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा के बीच ही होगी। जिसमें अभी तक आप का पलड़ा भारी है, क्योंकि वह सेक्यूलर और हिंदूवादी दोनों सियासी पिच पर ताबड़तोड़ बैटिंग कर रही है, जिससे चुनावी समां बंधती जा रही है।

वहीं, कांग्रेस पूरे दमखम से चुनाव लड़ रही है जिससे धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय से जुड़े वोटों में बिखराव तय है। इससे आप को या तो भाजपा के हाथों सत्ता गंवानी पड़ सकती है, या फिर सूबे में सरकार बनाने को लेकर कांग्रेस के रहमोकरम पर निर्भर रहना पड़ सकता है। क्योंकि जब भी त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति आती है तो सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। शायद यही वजह है कि सेक्यूलर सियासत करने के बावजूद आप हिंदूवादी मुद्दों को भी लपक रही है और हिंदुओं को फायदे पहुंचाने वाले फैसले कर रही है, ताकि जो हिन्दू भाजपा-कांग्रेस से नाराज हैं, वो आप की छतरी तले खुद को महफूज समझें। दरअसल, आप को आशंका है कि यदि राष्ट्रीय राजनीतिक ट्रेंड के मुताबिक मुसलमान कांग्रेस के पक्ष में चले जायेंगे और उसकी प्रतिक्रिया में हिन्दू भाजपा की ओर चले जायेंगे तो उसे भारी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि यदि क्षेत्रीय दल परस्पर एकजूट होकर तीसरा मोर्चा पुन: बना लेते हैं तो लोकसभा चुनाव 2029 की राजनीतिक लड़ाई भी त्रिकोणीय हो जाएगी। इससे जहां भाजपा फायदे में रहेगी, वहीं कांग्रेस को कुछ राज्यों में भारी चुनावी नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व को पता है कि अखिल भारतीय स्तर पर उनकी पार्टी ही भाजपा का मुकाबला कर सकती है, इसलिए देर सबेर क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस के राजनीतिक एजेंडे को मानना पड़ेगा या फिर भाजपा के खेमे में जाना होगा।

दरअसल, कांग्रेस के नेतृत्व इंडिया गठबंधन बनने के बाद संयोजक के सवाल पर क्षेत्रीय दलों में जो सिरफुटौव्वल मची, उससे इसके सूत्रधार रहे जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पुन: एनडीए की ओर लौटने के लिए विवश होना पड़ा। उसके बाद कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों में सम्मानजनक सीट बंटवारे को लेकर जो चूहे-बिल्ली का खेल चला, यह बात भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नागवार गुजरी। तभी आप पार्टी ने हद कर दी थी। एक तरफ तो वह दिल्ली में कांग्रेस के साथ तालमेल करके चुनाव लड़ रही थी, दूसरी तरफ पंजाब में दोस्ताना मुकाबले में कांग्रेस से बुरी तरह मात खाई और कांग्रेस से कम सीट ही जीत पाई।

इसके अलावा, कांग्रेस के प्रभाव वाले प्रदेशों में समाजवादी पार्टी, आप पार्टी, टीएमसी, एनसीपी शरद, शिवसेना यूबीटी आदि क्षेत्रीय दलों ने जो ज्यादा से ज्यादा सीटें पाने की घुड़दौड़ शुरू की और कांग्रेस विरोधी बयानबाजियों का सहारा लिये, यह बात भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नागवार गुजरी। खासकर जम्मूकश्मीर विधानसभा चुनाव, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, झारखंड विधानसभा चुनाव और हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान जो क्षेत्रीय मुद्दे उठे, कांग्रेस के ऊपर बढ़त हासिल करने वाली कोशिशें हुईं, पारस्परिक टीका-टिपण्णी हुई और फिर ममता बनर्जी को आगे करके राहुल गांधी के नेतृत्व पर ही सवाल उठाए गए, उससे यह तय हो गया कि राहुल गांधी के असली राजनीतिक दुश्मन भाजपा नहीं, बल्कि उनके इंडिया गठबंधन में ही मौजूद हैं, इसलिए उन्होंने इंडिया गठबंधन के नेताओं को तवज्जो देना बंद कर दिया।

और तो और, दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में दिख रही रार के बीच कांग्रेस नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गत गुरुवार को दो टूक कह दिया कि, लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक का गठन किया गया था। कई राज्यों की स्थिति के आधार पर, चाहे वह कांग्रेस हो या क्षेत्रीय दल, वे स्वतंत्र रूप से फैसले लेते हैं कि एक साथ लड़ना है या अलग-अलग। इससे बौखलाए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर गठबंधन केवल संसदीय चुनाव के लिए था तो इसे खत्म कर दिया जाना चाहिए।

दरअसल, उमर का पार्टी नैशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) भी विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा है। इसलिए उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और दूसरे दल यह तय करेंगे कि बीजेपी से कैसे मुकाबला किया जाए। उन्होंने कहा, अगर गठबंधन विधानसभा चुनावों के लिए भी है तो हमें एक साथ बैठना होगा और सामूहिक रूप से काम करना होगा। वहीं, उमर के बयान पर उनके पिता और एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन सिर्फ चुनाव लड़ने के बारे में नहीं है, बल्कि यह भारत को मजबूत करने और नफरत को खत्म करने के बारे में है। गठबंधन स्थायी है। यह हर दिन और हर पल के लिए है।

इससे साफ है कि इंडिया गठबंधन रहे या नहीं रहे, इसको लेकर भी विपक्षी दल असमंजस में हैं। या फिर दो फाड़ हो चुके हैं, अपने-अपने सुविधा के मुताबिक। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से मुकाबले के लिए कांग्रेस के नेतृत्व में बने यूपीए, बिहार-यूपी में महागठबंधन और महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के सियासी हश्र से तो साफ है कि इंडिया गठबंधन का भी देर सबेर वही हश्र होगा। होना भी चाहिए, क्योंकि जब हम इंडिया कहते हैं तो देश के अभिजात्य वर्ग का अहसास मिलता है। जबकि कांग्रेस ने हमेशा भारत यानी गरीब-गुरुबों की राजनीति की है। लिहाजा, उसके लिए बेहतर यही होगा कि वह यूपीए को जिंदा करके, जिसके मार्फत एक दशक तक देश पर राज कर चुकी है। वहीं, इंडिया को तिरोहित कर दे, क्योंकि इसने ही उसकी लोकसभा चुनाव 2024 की संभावनाओं पर तुषारापात कर दिया।

ऐसा इसलिए कि भारतीय राजनीति में चाहे वामपंथी दल हों या समाजवादी दल या फिर दलितवादी दल, ये भरोसेमंद नहीं समझे जाते हैं। वहीं, ओबीसी की राजनीति करने वाले क्षेत्रीय दल भी अपनी सियासी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। इनके नेतृत्व में बनने वाला तीसरा मोर्चा 1977, 1989, 1996 में केंद्रीय सत्ता में तो पहुंच गया, लेकिन 5 वर्ष भी अपनी सरकार नहीं चला पाया। क्योंकि इनके डीएनए में आपसी सिरफुटौव्वल है। तीनों बार इन्होंने महज 2-3 वर्षों के दौरान ही दो-दो प्रधानमंत्री दिए और मध्यावधि चुनाव का बोझ भी। इनके बारे में आम धारणा है कि कहीं का ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। जब ये एनडीए या यूपीए में होते हैं तो वहां भी उलटबांसी करते रहते हैं।

हां, राज्यों में इन्होंने 1967, 1977, 1989 और 1996 के सियासी बदलावों का फायदा उठाकर खुद को मजबूत किया। बिहार, यूपी, झारखंड, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब आदि इसके सफल उदाहरण दिए जा सकते हैं।

यह बात अलग है कि भाजपा इनको निरंतर अप्रासंगिक किये जा रही है और एक के बाद दूसरा राज्य भी इनसे हड़पते जा रही है। कांग्रेस को भी चाहिए कि वह इन्हें ज्यादा तवज्जो न दे, खासकर चुनाव के पहले। क्योंकि कांग्रेस के वोटबैंक से ही ये खुद को मजबूत करते हैं और फिर उसी को आंख दिखाते हैं। इसलिए कांग्रेस को यदि लंबी राजनीति करनी है तो वह सूबाई और प्रमंडलीय नेतृत्व को मजबूती और स्थायित्व प्रदान करे। वह विद्वानों और अंग्रेजी भाषी नेताओं से सलाह ले, लेकिन खाँटी राजनीतिक फैसले हिंदी भाषी या क्षेत्रीय भाषा-भाषी और जनाधार वाले नेताओं कहने पर करे, अन्यथा सभ्य शहरी सियासी दलाल उसकी कीमत पर खुद को मजबूत कर लेंगे और उसकी सियासी उद्धार नहीं होने देंगे।

कड़वा सच है कि 1977 से ब्रेक के बाद मैं यही ट्रेंड देख रहा हूँ। इसलिए अब से भी वह सम्भल जाए। इसके अलावा, सेक्यूलर बनने से ज्यादा व्यवहारिक बने। क्योंकि जबतक वह अल्पमतों को प्रभावित करने वाली राजनीति करेगी, उसे बहुमत कहाँ से मिलेगा, वह खुद सोचे-समझे-फैसले करे।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

इसीलिए बुद्धिभान् तो व्यावहारिक और पारमाथिक दृष्टिभेद से परस्पर विरुद्ध जंचने वाले वर्णनों को समन्वित कर लेते हैं, परन्तु शास्त्रमर्म से अपरिचित लोग विरोधाभास के गर्त में गिर कर संशयात्मा विनश्यति के लक्ष्य बनते हैं ।

इसलिये पुराणों में किसी भी देवता की निन्दा का उल्लेख नहीं। कदाचित् कुछ पद्य वा पद्यांश वस्तुत: निन्दा परिणत प्रतीत हों तो उन्हें प्रक्षिप्त समझ कर समालोचना की सीमा से बाहर समझना चाहिए । अत: अठारह पुराण अकेले व्यास जी के ही बनाये हुये हैं।

(21) यह भागवत बोपदेव का बनाया है, जिसके भाई जयदेव ने गीतगोविन्द बनाया। उसने यह श्लोक अपने बनाये हैमाद्रि ग्रन्थ में लिखे हैं, कि श्रीमद्भागवत पुराण मैंने बनाया है। यथा- हिमाद्रे: सचिवस्यार्थे सूचना क्रियतेऽधुना । स्कन्धाध्यायकथानां च यत्प्रमाणं समासत: ।।1।। श्रीमद्भागवतं नाम पुराणं च मयेरितम् । बिदुषा वोपदेवेन श्रीकृष्णस्य यशोन्वितम् ।।2।।

(22) यह आक्षेप आर्यसमाज के प्रवर्तक स्वामी दयानन्द जी का है। आपके इस आक्षेप का एक 2 अक्षर महाभूठ है, यह बात पाठकों को हमारे नीचे लिखे शब्दों से प्रकट हो जायगी। प्रथम तो गीतगोविन्द के निर्माता जयदेव को वोपदेव का भाई बताना महा असत्य है क्योंकि उक्त दोनों पण्डितों ने अपना 2 जो परिचय दिया है, वह दोनों को आता सिद्ध महीं करता, यथा - (1) श्रीभोजदेवप्रभवस्य रामा- देवी सुतस्यास्य सदा कवित्वम्। पराशरादिप्रियवर्ग कण्ठे, सुप्रीतपीताम्बर मे तदस्तु।। (गीता गोविन्द का अन्तिम श्लोक) (2) विद्वद्धनेशशिष्येण भिषक्-केशवसूनुना। तेन वेदपदस्थेन वोपदेवद्विजेन य: ।। (धातुपाठ का अन्तिम श्लोक)

क्रमश: ...

स्वामी विवेकानन्द

ललित गर्ग

भारत को आर्थिक एवं भौतिक ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से शक्तिसम्पन्न राष्ट्र बनाने का सफल प्रयत्न करने वाले महानायक का नाम है स्वामी विवेकानन्दजी। वे एक सिद्धपुरुष एवं संस्कृतिपुरुष थे। नैतिक मूल्यों के विकास एवं युवा चेतना के जागरण हेतु कटिबद्ध, मानवीय मूल्यों के पुनरुत्थान के सजग प्रहरी, अध्यात्म दर्शन और संस्कृति को जीवंतता देने वाली संजीवनी बूंटी, भारतीय संस्कृति एवं भारतीयता के प्रखर प्रवक्ता, युगीन समस्याओं के समाधायक, अध्यात्म और विज्ञान के समन्वयक, वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु हैं स्वामी विवेकानन्द।

स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी, 1863 में हुआ। नरेन्द्र ने अपने परिवार को 25 की उम्र में छोड़ दिया और एक साधु बन गए। स्वामी विवेकानन्द का जन्म दिन भारत में युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसमें कोई शक नहीं कि स्वामीजी आज भी अधिकांश युवाओं के आदर्श हैं। उनकी हमेशा यही शिक्षा रही कि आज के युवक को शारीरिक प्रगति से ज्यादा आंतरिक प्रगति की जरूरत है। वे युवकों में जोश भरते हुए कहा करते थे कि उठो मेरे शेरों! इस भ्रम को मिटा दो कि तुम निर्बल हो। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नया भारत निर्मित करने की बात कर रहे हैं, उसका आधार स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाएं एवं प्रेरणाएं ही है। मोदी स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते हैं। भारतीय संस्कृति एवं स्वामीजी की सोच को विश्वव्यापी विस्तार देने की प्रक्रिया के लिये आज मोदी निरन्तर अथक प्रयास कर रहे हैं। जब से उन्होंने देश की बागडोर अपने हाथों में ली है, तब से सनातन संस्कृति की शिक्षा को आधार मानते हुए इसके प्रसार के लिए वे 'अग्रदूत' की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। नरेन्द्रनाथ से नरेन्द्र मोदी की नया भारत बनाने की यह यात्रा भारत के सशक्तिकरण एवं विश्वगुरु बनने की प्रक्रिया है।

स्वामी विवेकानन्द ने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। भारत का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वेदान्त दर्शन अमेरिका और यूरोप के हर एक देश में उनके प्रयासों एवं प्रस्तुति के कारण ही पहुँचा। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी जो आज भी भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ कर रहा है। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। वे जहां आर्थिक समृद्धि के प्रबल समर्थक थे, वही लोकतांत्रिक मूल्यों को बल देने वाले महानायक भी थे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार ''लोकतंत्र में पूजा जनता की होनी चाहिए। क्योंकि दुनिया में जितने भी पशु-पक्षी तथा मानव हैं वे सभी परमात्मा के अंश हैं।'' स्वामी जी ने युवाओं को जीवन का उच्चतम सफलता का अचूक मंत्र इस विचार के रूप में दिया था- ''उठो, जागो और तब तक मत रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये।''

कलकत्ता के एक कुलीन बंगाली परिवार में जन्मे विवेकानंद आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण देव से काफी प्रभावित थे जिनसे उन्होंने सीखा कि सारे जीव स्वयं परमात्मा का ही एक अवतार हैं।

ट्रम्प की ताजपोशी के समारोह के न्यौते का इंतजार

जयसिंह रावत

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण समारोह, जो 20 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाला है, दुनिया भर के नेताओं और मीडिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इस समारोह में शामिल होने के लिए कौन से विदेशी नेता आमंत्रित होंगे, यह एक बड़ा सवाल बन चुका है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कई विदेशी नेताओं को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है। हालांकि, अभी तक किसी भी आधिकारिक स्रोत से इस बारे में पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी 7 जनवरी को एक बयान जारी करते हुए कहा कि, यदि कुछ नया होता है तो वह मीडिया को किसी भी नई जानकारी से अवगत कराएगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के विदेशी मेहमानों की अंतिम सूची का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है और संभव है कि भारत के प्रधानमंत्री को भी इस समारोह में आमंत्रित किया जाए, लेकिन अमेरिका के दो प्रमुख अखबार ''वाशिंगटन पोस्ट'' और ''न्यूर्याक टाइम्स'' में इस मुद्दे को लेकर जो विश्लेषणात्मक टिप्पणियां आई हैं। उनके आलोक में भारतीय प्रधानमंत्री को निमंत्रण की संभावनाएं कम लग रही है। दोनों अखबारों ने यह सवाल उठाया कि क्या इस संबंध की गति में कोई रुकावट आ रही है या अमेरिकी नेतृत्व ने भारतीय प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने का निर्णय राजनीतिक कारणों से लिया है।

वाशिंगटन पोस्ट ने भारत की विदेश नीति में आ रही नई दिशा पर भी सवाल उठाए हैं। इन मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि इसके पीछे कई कारक हो सकते हैं, जिनमें मानवाधिकार, धार्मिक असहिष्णुता और भारत की आंतरिक राजनीति शामिल हैं। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि भारत और अमेरिका के रिश्तों में कोई बड़ी दरार आ जाएगी।

यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच भविष्य में किस तरह के संबंध बनेंगे, इसे लेकर कई सवाल छोड़ जाता है। हालांकि, मोदी ने ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलीवन से मुलाकात की थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि भारत-अमेरिका संबंधों में रणनीतिक साझेदारी मजबूत हो रही है। लेकिन फिर भी, प्रधानमंत्री मोदी का इस समारोह में भाग लेने के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

यदि हम भारतीय नेताओं के पिछले अनुभवों पर नजर डालें, तो कुछ अवसरों पर उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, जबकि कुछ अवसरों पर यह आमंत्रण नहीं दिया गया। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, को 1953 में अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था। यह भारतीय-अमेरिकी कूटनीतिक रिश्तों की शुरुआत का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। हालांकि, नेहरू ने उस समारोह में भाग नहीं लिया।

इसके बाद, 1971 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को रिचर्ड निक्सन के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के साथ चल रहे युद्ध के कारण इस आयोजन में भाग लेने से इंकार कर दिया। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय नेताओं का अमेरिका के शपथ ग्रहण समारोहों में शामिल होना केवल कूटनीतिक संबंधों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि घरेलू राजनीतिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय स्थितियों पर भी आधारित होता है।

इसके बाद, 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी को अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इस अवसर पर भाग लिया। यह समय था जब भारत और अमेरिका के रिश्तों में सुधार देखा जा रहा था और दोनों देशों के बीच नई शुरुआत हो रही थी।

इसके बाद, 2001 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस घटना से यह भी स्पष्ट होता है कि भारत और अमेरिका के रिश्तों में नई गर्मजोशी थी और दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे थे।

इसके बाद, 2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया, और उन्होंने इसमें भाग लिया। इस दौरान भारतीय-अमेरिकी संबंधों में और भी अधिक मजबूती आई थी। मनमोहन सिंह ने इस मौके पर अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ किया।

हालांकि, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 2013 में ओबामा के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन वह इसे अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण नहीं अदा कर पाए। हालांकि, मोदी ने 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया, जब वे भारत के प्रधानमंत्री बन चुके थे। इस अवसर पर मोदी और ट्रंप के बीच एक मजबूत व्यक्तिगत और कूटनीतिक संबंध स्थापित हुआ, जो दोनों देशों के रिश्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ।

अब बात करते हैं 2025 के शपथ ग्रहण समारोह की। लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भारतीय प्रधानमंत्री को इस समारोह में आमंत्रित किया जाएगा या नहीं। इसके कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहला कारण कूटनीतिक प्रोटोकॉल हो सकता है। आमतौर पर, शपथ ग्रहण समारोहों में केवल उन देशों के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है, जिनके साथ उस समय अमेरिकी प्रशासन के गहरे कूटनीतिक संबंध होते हैं। जबकि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है, लेकिन यह भी हो सकता है कि अमेरिकी प्रशासन अपने प्राथमिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए सीमित संख्या में विदेशी नेताओं को आमंत्रित करें। दूसरा कारण है आमंत्रित किए जाने वाले नेताओं की संख्या। अमेरिकी शपथ ग्रहण समारोह में आमतौर पर बहुत अधिक विदेशी नेता नहीं बुलाए जाते हैं। यह आयोजन खासतौर पर अमेरिकी राजनीति और देश की आंतरिक प्रक्रियाओं पर केंद्रित होता है। इसमें विदेश नीति के बड़े चेहरे आमतौर पर शामिल नहीं होते, और इसका उद्देश्य अमेरिका के आंतरिक राजनीति और लोकतंत्र के उत्सव को मनाना होता है। तीसरा कारण समय और प्राथमिकताएं हो सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह के समय, भारतीय प्रधानमंत्री के पास अन्य कूटनीतिक या घरेलू कार्य हो सकते हैं, जो उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने से रोक सकते हैं। इसके अलावा, यह भी संभव है कि प्रधानमंत्री मोदी अन्य द्विपक्षीय बैठकें या महत्वपूर्ण विदेश यात्राएं करने का चुनाव करें, जो उनके कूटनीतिक एजेंडे के लिए अधिक महत्वपूर्ण हों।

आज का इतिहास

1904 हेनरी फोर्ड ने 147.05 किमी का एक नया ऑटोमोबाइल भूमि गति रिकॉर्ड बनाया।
1908 एफिल टॉवर से पहले बार एक लंबी दूरी का रेडियो संदेश भेजा गया।
1908 पेरिस स्थित एफिल टॉवर से पहली बार लंबी दूरी का वायरलेस संदेश भेजा गया।
1911 रूस के वियर्न शहर में भूकंप आने से 250 से ज्यादा लोग मारे गए।
1915 संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि मंडल ने महिलाओं को वोट देने का प्रस्ताव खारिज कर किया।
1916 न्यूयॉर्क नौसेना यार्ड में अमेरिकी नौसेना के पनडुब्बी यूएसएस ई -2 पर एक विस्फोट में चार सैनिक मारे गए।
1921 ब्लैक सोक्स स्कैंडल के बाद विश्वास बहाल करने की कोशिश करते हुए, मेजर लीग बेसबॉल टीमों के मालिकों ने लीग के पहले आयुक्त के रूप में संयुक्त राज्य के जिला अदालत के पूर्व न्यायाधीश केनवास माउंटेन लैंडिस को चुना।
1933 राजा कैरोल ॥ के साथ असहमति के बाद रोमानियाई प्रधान मंत्री इलियु मणु और उनके पूरे कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया।
1942 जापान ने तारकन की लड़ाई जीती।
1945 द्वितीय विश्व युद्ध-सोवियत संघ की लाल सेना ने जर्मनी पर आक्रमण करने के लिए पोलैंड के विस्टुला नदी को पार किया।
1954 आस्ट्रिया में हिमस्खलन में 200 से अधिक लोग मारे गए।
1964 जॉन ओकेलो के नेतृत्व में विद्रोहियों ने सुल्तान जमशेद बिन अब्दुल्ला को उखाड़ फेंका, जंजीबार में 200 साल के अरब प्रभुत्व को समाप्त कर दिया।
1967 तैंतीस वर्षीय मनोविज्ञान के प्रोफेसर जेम्स बेडफोर्ड भविष्य के पुनर्जीवन के इरादे से क्रायोजेनिक रूप से जमे हुए पहले व्यक्ति बन गए।
1969 अमेरिकी फुटबॉल में, न्यू यॉर्क जेट्स ने बाल्टीमोर कोल्ट्स को अमेरिकी खेल इतिहास के सबसे महान अपसेट्स में से एक सुपर बाउल ॥। जीतने के लिए परेशान किया।
1970 बायफ्रा ने नाइजीरियाई नागरिक युद्ध को समाप्त किया।
1976 दुनिया के सबसे जाने माने जासूसी उपन्यासकारों में से एक अगाथा क्रिस्टी का निधन हुआ।

प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेले का आध्यात्मिक एवं आर्थिक महत्व

प्रह्लाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार कुंभ मेला एक धार्मिक महाआयोजन है जो 12 वर्षों के दौरान चार बार मनाया जाता है। कुंभ मेले का भौगोलिक स्थान भारत में चार स्थानों पर फैला हुआ है और मेला स्थल चार पवित्र नदियों पर स्थित चार तीर्थस्थलों में से एक के बीच घूमता रहता है, यथा, (1) हरिद्वार, उत्तराखंड में, गंगा के तट पर; (2) मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर; (3) नासिक, महाराष्ट्र में गोदावरी के तट पर; एवं (4) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर।

प्रत्येक स्थल का उत्सव, सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति की ज्योतिषीय स्थितियों के एक अलग सेट पर आधारित है। उत्सव ठीक उसी समय होता है जब ये स्थितियां पूरी तरह से व्याप्त होती हैं, क्योंकि इसे हिंदू धर्म में सबसे पवित्र समय माना जाता है। कुंभ मेला एक ऐसा आयोजन है जो आंतरिक रूप से खगोल विज्ञान, ज्योतिष, आध्यात्मिकता, अनुष्ठानिक परंपराओं और सामाजिक-सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं के विज्ञान को समाहित करता है, जिससे यह ज्ञान में बेहद समृद्ध हो जाता है।

कुम्भ मूल शब्द कुम्भक (अमृत का पवित्र घड़ा) से आया है। ऋग्वेद में कुम्भ और उससे जुड़े स्नान अष्ठान का उल्लेख है। इसमें इस अवधि के दौरान संगम में स्नान करने से लाभ, नकारात्मक प्रभावों के उन्मूलन तथा मन और आत्मा के कायाकल्प की बात कही गई है। अथर्ववेद और यजुर्वेद में भी कुम्भ के लिए प्रार्थना लिखी गई है। इसमें बताया गया है कि कैसे देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन से निकले अमृत के पवित्र घड़े (कुम्भ) को लेकर युद्ध हुआ। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु ने मोहिनी का रूप धारण कर कुम्भ को लालची राक्षसों के चंगुल से छुड़ाया था। जब वह इस स्वर्ग की ओर लेकर भागे तो अमृत की कुछ बूंदे चार पवित्र स्थलों पर गिरीं जिन्हें हम आज हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज के नाम से जानते हैं। इन्हीं चार स्थलों पर प्रत्येक तीन वर्ष पर बारी बारी से कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है।

कुम्भ मेला दुनिया में कहीं भी होने वाला सबसे बड़ा सार्वजनिक समागम और आस्था का सामूहिक आयोजन है। लगभग 45 दिनों तक चलने वाले इस मेले में करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती के पवित्र संगम पर स्नान करने के लिए आते हैं। मुख्य रूप से इस समागन में तपस्वी, संत, साधु, साध्वियां, कल्पवासी और सभी क्षेत्रों के तीर्थयात्री शामिल होते हैं।

कुंभ मेले में सभी धर्मों के लोग आते हैं, जिनमें साधु और नागा साधु शामिल हैं, जो साधना करते हैं और आध्यात्मिक अनुशासन के कठोर मार्ग का अनुसरण करते हैं, संन्यासी जो अपना एकांतवास छोड़कर केवल कुंभ मेले के दौरान ही सभ्यता का भ्रमण करने आते हैं, अध्यात्म के साधक और हिंदू धर्म का पालन करने वाले आम लोग भी शामिल हैं।

कुंभ मेले के दौरान अनेक समारोह आयोजित होते हैं; हाथी, घोड़े और रथों पर अखाड़ों का पारंपरिक जुलूस, जिसे पेशवाई कहा जाता है, शाही स्नान के दौरान चमचमाती तलवारें और नागा साधुओं की रस्में, तथा अनेक अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां, जो लाखों तीर्थयात्रियों को कुंभ मेले में भाग लेने के लिए आकर्षित करती हैं।

महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। यह एक हिंदू त्यौहार है, जो मानवता का एक स्थान पर एकत्र होना भी है। 2019 में प्रयागराज में अर्ध कुंभ मेले में दुनिया भर से 15 करोड़ पर्यटक आए थे। यह संख्या 100 देशों की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। यह वास्तव में यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में सूचीबद्ध है।

कुंभ मेला कई शताब्दियों से मनाया जाता है। प्रयागराज कुंभ मेले का सबसे पहला उल्लेख वर्ष 1600 ई. में मिलता है और अन्य स्थानों पर, कुंभ मेला 14वीं शताब्दी की शुरुआत में आयोजित किया गया था। कुंभ मेला बेहद पवित्र और धार्मिक मेला है और भारत के साधुओं और संतों के लिए विशेष महत्व रखता है। वे वास्तव में पवित्र नदी के जल में स्नान करने वाले पहले व्यक्ति होते हैं। अन्य लोग इन साधुओं के शाही स्नान के बाद ही नदी में स्नान कर सकते हैं। वे अखाड़ों से संबंधित हैं और कुंभ मेले के दौरान बड़ी संख्या में आते हैं। घाटों की ओर जाते समय वे भजन, प्रार्थना और मंत्र गाते हैं, तो उनका जुलूस देखने लायक होता है।

कुंभ मेला प्रयागराज 2025 पौष पूर्णिमा के दिन शुरू होता है, जो 13 जनवरी 2025 को है और 26 फरवरी 2025 को समाप्त होगा। यह पर्यटकों के लिए भी जीवन में एक बार आने वाला अनुभव है। टेंट और कैंप में रहना आपको एक गर्मजोशी भरा एहसास देता है और रात में तारों से भरे आसमान को देखना अपने आप में एक अलग ही अनुभव है। कुंभ मेले में सत्संग, प्रार्थना, आध्यात्मिक व्याख्यान, लंगर भोजन का आनंद सभी उठा सकते हैं। महाकुंभ मेला 2025 में गंगा नदी में पवित्र स्नान, नागा साधु और उनके अखाड़े से मिलें। बेशक, यह कुंभ मेले का नंबर एक आकर्षण है। कुंभ मेले के दौरान अन्य आकर्षण प्रयागराज में घूमने लायक जगहें हैं जैसे संगम, हनुमान मंदिर, प्रयागराज किला, अक्षयवट और कई अन्य। वाराणसी भी प्रयागराज के करीब है और हर पर्यटक के यात्रा कार्यक्रम में वाराणसी जाना भी शामिल है।

महाकुम्भ 2025 में आयोजित होने वाले कुछ मुख्य स्नान पर्व निम्न प्रकार हैं -

मुख्य स्नान पर्व	13.01.2025
मकर संक्रान्ति	14.01.2025
मौनी अमावस्या	29.01.2025
बसंत पंचमी	03.02.2025
माघी पूर्णिमा	12.02.2025
महाशिवरात्रि	26.02.2025

प्रयागराज का अपना एक ऐतिहासिक महत्व रहा है। 600 ईसा पूर्व में एक राज्य था और वर्तमान प्रयागराज जिला भी इस राज्य का एक हिस्सा था। उस राज्य को वत्स के नाम से जाना जाता था और उसकी राजधानी कौशाम्बी थी, जिसके अवशेष आज भी प्रयागराज के दक्षिण पश्चिम में स्थित है। गौतम बुद्ध ने भी अपनी तीन यात्राओं से इस शहर को सम्मानित किया था। इसके बाद, यह क्षेत्र मौर्य शासन के अधीन आ गया और कौशाम्बी को सम्राट अशोक के एक प्रांत का मुख्यालय बनाया गया। उनके निर्देश पर कौशाम्बी में दो अखंड स्तम्भ बनाए गए जिनमें से एक को बाद में प्रयागराज में स्थानांतरित कर दिया गया। प्रयागराज राजनीति और शिक्षा का केंद्र रहा है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय को पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा जाता था। इस शहर ने देश को तीन प्रधानमंत्रियों सहित कई राजनीतिक हस्तियां दी हैं। यह शहर साहित्य और कला के केंद्र के साथ साथ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का भी केंद्र रहा है।

प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुम्भ का आध्यात्मिक महत्व तो है ही, साथ ही, आज के परिप्रेक्ष्य में इस महाकुम्भ का आर्थिक महत्व भी है। प्रत्येक 3 वर्षों के अंतराल पर आयोजित होने वाले कुम्भ के मेले में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु ईश्वर की पूजा अर्चना हेतु प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक एवं उज्जैन में पहुंचते हैं। प्रयागराज में आयोजित तो रहे महाकुम्भ की 44 दिनों की इस इस पूरी अवधि में प्रतिदिन एक करोड़ श्रद्धालुओं के भारत एवं अन्य देशों से प्रयागराज पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, इस प्रकार, कुल मिलाकर लगभग 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुगण उक्त 44 दिनों की अवधि में प्रयागराज पहुंचेंगे। करोड़ों की संख्या में पहुंचने वाले इन श्रद्धालुगणों द्वारा इन तीर्थस्थलों पर अच्छी खासी मात्रा में खर्च भी किये जाने की सम्भावना है। जिससे विशेष रूप से स्थानीय अर्थव्यवस्था को तो बल मिलेगा ही, साथ ही करोड़ों की संख्या में देश में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित होंगे एवं होटल उद्योग, यातायात उद्योग, पर्यटन से जुड़े व्यवसाय, स्थानीय स्तर के छोटे छोटे उद्योग एवं विभिन्न उत्पादों के क्षेत्र में कार्य कर रहे व्यापारियों के व्यवसाय में भी अतुलनीय वृद्धि होगी। इस प्रकार, देश की अर्थव्यवस्था को भी, महाकुम्भ मेले के आयोजन से बल मिलने की भरपूर सम्भावना है।

आखिर चले गए ट्रूडो, करा चुके हैं कनाडा की कई मोर्चों पर फजीहत

दीपक वोहरा

बीसवीं शताब्दी के अमेरिकी नाटककार टेनेसी विलियम्स ने कहा था कि झूठे में सबसे ज्यादा खराब झूठा वह है, जो पाखंडी भी है। कनाडा के नेता जस्टिन ट्रूडो कनाडा के लिए एक बोझ बन गए थे। तीन चौथाई कनाडाई चाहते थे कि ट्रूडो सत्ता छोड़ दें, ताकि उनका देश वापस पटरी पर लौटे। नतीजतन नए साल के पहले हफ्ते में ही 'जस्ट-इन' (जस्टिन) इस उम्मीद में कि कोई उन्हें बचा लेगा, 'जस्ट आउट' (बाहर) हो गए। जब कोई आगे नहीं आया, तो उन्होंने संसद को स्थगित करने के बाद पद छोड़ा।

सवाल यह है कि क्या ट्रूडो के जाने से भारत-कनाडा संबंधों में फिर से बदलाव होगा? रातों-रात बदलाव होगा, ऐसा तो नहीं लगता। द्विपक्षीय संबंध बनने में दशकों लग जाते हैं, लेकिन बिगड़ने में बस कुछ ही हफ्ते लगते हैं। 1960 के दशक से लेकर इस सदी के पहले दशक तक, कनाडा को एक शांतिपूर्ण, कानून का पालन करने वाला राष्ट्र होने की प्रतिष्ठा प्राप्त थी। यह आप्रवासियों को चुंबक की तरह आकर्षित करता था। जनवरी 2025 तक कनाडा में भारतीय मूल के करीब 20 लाख लोग रह रहे हैं, जिनमें से एक तिहाई सिख हैं।

पिछले कुछ दशकों में, कनाडा ने खुद को शिक्षा के लिए एक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना शुरू कर दिया, इसलिए हजारों एशियाई और अफ्रीकी छात्र वहां पहुंचे। एक दशक पहले विशेषाधिकार रखने वाले राजनीतिक परिवार के खूबसूरत जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में तूफान मचा दिया था और भारी बहुमत के साथ देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने थे। उनको वह दर्जा मिला, मानो वह कुछ भी गलत कर ही नहीं सकते थे! उनके व्यभिचार और वित्तीय घोटालों को नजर अंदाज किया गया। फिर वैश्विक वित्तीय मंदी आई और लोगों का उनसे मोहभंग होने लगा। वह फिर से चुनाव जीतने में सफल रहे, लेकिन कम बहुमत के साथ और अपना अस्तित्व बचाने के लिए उन्हें कट्टरपंथी सिख और इस्लामी पार्टियों पर निर्भर रहना पड़ा। अचानक ट्रूडो की हरकतें कनाडा के लोगों को परेशान करने लगीं। महंगाई ने घरेलू बजट को खत्म कर दिया, बेरोजगारी बढ़ गई, सभी तरह के संदिग्ध और हिंसक लोग, जो अपने देश में अवांछित थे, कनाडा आ गए। इससे उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट आई।

कनाडा के ढीले कानूनों और सतर्कता की कमी ने उसके पड़ोसियों और विश्व समुदाय को खतरे में डाल दिया है। मैं सभी से स्टीवर्ट बेल द्वारा 2004 में लिखी गई एक महत्वपूर्ण पुस्तक कोल्ड टेरर, हाउ कनाडा नर्सर्स एंड एक्सपोर्ट्स टेरर अराउंड द वर्ल्ड पढ़ने का आग्रह करता हूं। इसकी शुरुआत कनाडा की खुफिया और सुरक्षा सेवाओं के एक पूर्व प्रमुख की इस टिप्पणी से होती है कि कनाडा में दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूह सक्रिय हैं, संभवतः अमेरिका को छोड़कर। लेकिन विदूषक ट्रूडो कहते रहे कि कनाडा कितना खुला और समावेशी समाज है। उन्होंने 2019 जी-7 बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मजाक उड़ाकर, अपने अमेरिकी आकाओं को खुश करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बुरा-भला कह कर, बाली में 2022 जी-20 शिखर सम्मेलन में एक निजी बातचीत का विवरण बताकर चीनी राष्ट्रपति को नाराज करके और भारत पर अपने प्रिय सिख प्लंबर की हत्या का आरोप लगाकर और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कठोर भाषा का इस्तेमाल करके चार प्रमुख विश्व शक्तियों के साथ कनाडा के संबंधों?को खराब किया।

वर्ष 2024 तक ट्रूडो को पश्चिमी देशों ने भी दरकिनार कर दिया। उनकी वित्त मंत्री और उपप्रधान मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने बेईमानी और महंगाई का आरोप लगाते हुए बजट पेश करने से ठीक पहले इस्तीफा दे दिया (उन्हें यह समझने में बहुत समय लगा)। उनके प्रिय सिख राजनीतिक साथी, जिन्होंने उन्हें सत्ता में रखा था, ने कहा कि वे उन्हें बाहर निकाल देंगे। उनके यूरोपीय संघ और नाटो के कथित 'सहयोगी और साझेदार' पद छोड़ने के लिए उन पर दबाव बनाने लगे (डोनाल्ड ट्रंप ने काफी अशिष्टता से), लेकिन कनाडा के विदूषक खुद को धोखा देते रहे कि वह सभी के प्रिय हैं। नवंबर 2024 के अंत में, भ्रमित ट्रूडो ने संसद में यह शेखी बघारी कि वह चीजों को सुलझा लेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीतने पर डोनाल्ड ट्रंप के आवास पर जाकर ट्रूडो ने उनसे विनती की कि वह कनाडाई उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ न लगाएं, क्योंकि इससे कनाडा की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी।

ट्रंप ने ताना देते हुए कहा कि आप अमेरिका का 51वां राज्य बन जाओ, तो टैरिफ का सामना नहीं करना पड़ेगा और आप वहां के गवर्नर रहोगे। अपने देश को पश्चिम का पाकिस्तान बना देने के बाद ट्रूडो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हंसी का पात्र बन गए।

अकाली दल में नई लामबंदी पैदा करेगा सुखबीर

इकबाल सिंह चन्नी

लम्बे समय से चल रहे अकाली संकट को खत्म करने की मंशा के साथ अकाली दल के दोनों प्रमुख दलों की ओर से श्री अकाल तख्त साहिब पर पेश हो जाने से एक बार तो आम सिख समुदाय और विशेषकर अकाली वर्करों को यह आस बंधी थी कि अकाल तख्त के जत्थेदार और बाकी सिंह साहिबान की ओर से अकाली दल के नेताओं को 'तनख्वाह' लगने के बाद अकाली एकता हो जाएगी और अकाली दल का दिन-ब-दिन गहराता संकट खत्म हो जाएगा। 2 दिसम्बर को सिंह साहिबान की ओर से तलब किए गए अकाली नेताओं की ओर से अकाल तख्त से सुनाई गई 'तनख्वाह' को समस्त अकाली नेतृत्व की ओर से मान लेने और 'तनख्वाह' को पूरा करने की शुरूआत ने यह विश्वास पक्का कर दिया था। परन्तु एक दिन बाद ही नारायण सिंह चौड़ा नामक व्यक्ति की ओर से सुखबीर सिंह बादल पर हमला करने की कोशिश के बाद अकाली दल बादल की ओर से अपनाए गए रवैये में सिख समाज और विशेषकर अकाली समर्थकों की उम्मीदों को धराशायी कर दिया।

अकाल तख्त की ओर से सुनाए गए हुकमनामे के अनुसार दोनों दलों के नेताओं को धार्मिक 'तनख्वाह' के साथ-साथ राजनीतिक सजा भी सुनाई गई थी। श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से सुधार लहर के नेताओं को अपना ढांचा भंग करने का आदेश दिया गया और बादल अकाली दल को नेताओं की ओर से दिए गए इस्तीफे को 3 दिनों में मंजूर करने, अकाली दल की भर्ती 7 सदस्यीय कमेटी के माध्यम से करवाने और दोनों दलों को एकता करने का हुकमनामा जारी किया गया था।नारायण सिंह चौड़ा की ओर से सुखबीर पर हमले करने की कोशिश का विरोध करने के लिए अकाली दल

ने कोर कमेटी की बैठक तो बुला ली मगर अकाल तख्त के हुकमनामे के अनुसार वर्किंग कमेटी की बैठक करने से टाल-मटोल कर लिया और अनेकों कारण बताकर 20 दिन की मोहलत मांगी गई परन्तु 20 दिन बाद भी इस पर कोई कार्रवाई करने की बजाय श्री अकाल तख्त के पास कानूनी कार्रवाई का डर बताकर हुकमनामे में संशोधन करवाने की योजना बनानी शुरू कर दी।

बेशक श्री अकाल तख्त के जत्थेदार साहिब ने अकाली दल बादल की सभी दलीलें सुनने के बाद भी 6 जनवरी को अकाली दल के नेताओं को हुकमनामा लागू करने की हिदायत दी। इसके बाद भी सुखबीर सिंह बादल ने अपनी ओर से माने गए गुनाहों को यह कह कर पासा बदलने की कोशिश की कि उन्होंने विवाद खत्म करने के लिए सभी गुनाह अपनी झोली में डाल लिए थे और अकाली नेताओं ने दोबारा श्री अकाल तख्त के जत्थेदार के साथ मुलाकात कर नई कानूनी राय पेश की। अकाली नेता दलजीत सिंह चीमा ने मुलाकात के बाद यह कहा कि अकाल तख्त के जत्थेदार साहिब की ओर से उनके द्वारा पेश की गई दलीलों को ठीक माना है। चीमा ने इस बयान पर सख्त ऐतराज जताते हुए भंग की गई सुधार लहर के कन्वीनर गुरप्रताप सिंह वडाला ने एक वीडियो के माध्यम से चीमा के बयान को गुमराह करने वाला बताया और दावा किया कि विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार जत्थेदार की ओर से अकाली नेताओं को ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया। इस सारे घटनाक्रम ने अकाली संकट को और भी गहरा करने की शंका पैदा कर दी। इस सारे घटनाक्रम में सिखों की धार्मिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में काम कर रही जत्थेबंदियों को इस मामले पर सोच-विचार तथा कोई ठोस कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर दिया।

यही कारण है कि संत समाज के प्रमुख बाबा सर्बजोत सिंह बेदी ने जालंधर में एक कन्वैंशन बुला ली है। उन्होंने इस कन्वैंशन में शामिल होने के लिए सभी पंथक पक्षों को शामिल होने का न्यौता दिया है। दूसरी ओर अकाल तख्त के जत्थेदार की ओर से हुकमनामा जल्दबाजी में लागू करने की हिदायत से पैदा हुए हालातों के बारे में विचार करने के लिए अकाली दल ने भी आज वर्किंग कमेटी की बैठक बुलाई थी जहां पर सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है परन्तु अन्य नेताओं के इस्तीफे, 7 सदस्यीय कमेटी की मान्यता और सुधार लहर के नेताओं के साथ एकता करने के बारे में फैसले आगे डाले जाने की शंका व्यक्त की जा रही है।

इन शंकाओं के मद्देनजर आज ही भंग की गई सुधार लहर के नेता गुरप्रीत सिंह वडाला और जत्थेदार संता सिंह उमेदपुरी की ओर से एस.जी.पी.सी.प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी को मिलने का कार्यक्रम बनाया गया था परन्तु धामी के अकाली दल की वर्किंग कमेटी की बैठक में शामिल होने के कारण आज की बैठक टाल दी गई थी। सुधार लहर के नेता एस.जी.पी.सी. अध्यक्ष को मिलने के बाद अकाल तख्त के जत्थेदार से भेंट करने का कार्यक्रम भी बना रहे हैं। हालात इशारा कर रहे हैं कि सुखबीर विरोधी अकाली नेतृत्व अन्य सिख गुटों से मिलकर नई लामबंदी की तरफ बढ़ सकता है।

श्रीराम मंदिर : एक गतिमान गौरव गाथा

प्रमोद मजूमदार

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा को 11 जनवरी 2025 को एक वर्ष पूरा हो गया। पिछले वर्ष 22 जनवरी 2024 पौष शुक्ल द्वादशी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहनराव भागवत की प्रमुख उपस्थिति में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों द्वारा बालक श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह संपन्न हुआ था और देखते-देखते आज एक वर्ष पूरा हो रहा है। जिसके लिए हमारे हिन्दू समाज के करोड़ों रामभक्त श्रद्धालुओं ने समूचे देश में संघर्ष किया और यह संघर्ष केवल सड़कों पर ही नहीं अपितु न्यायालयों में काफी लम्बा चला है, इसे कोई भुला नहीं सकता। लेकिन लंबे संघर्ष और हिन्दू जागरण के निरंतर अलग-अलग स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता और उसके परिणामस्वरूप भारी एकजुटता के कारण ही आज हम अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होते देख रहे हैं।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य निर्माण के लिए न्यायालयों में कानूनी संघर्ष लंबे समय तक लड़ा गया ठीक उसी तरह सड़कों पर भी समय-समय पर जन आंदोलन करके देश की जनता को जनजागृत किया गया। फिर वर्ष 1989 में समूचे देश भर में शिलापूजन के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया यद्यपि इसका भी तत्कालीन कांग्रेस शासित सरकार और उनके सहयोगी मित्र दलों ने कड़ा विरोध

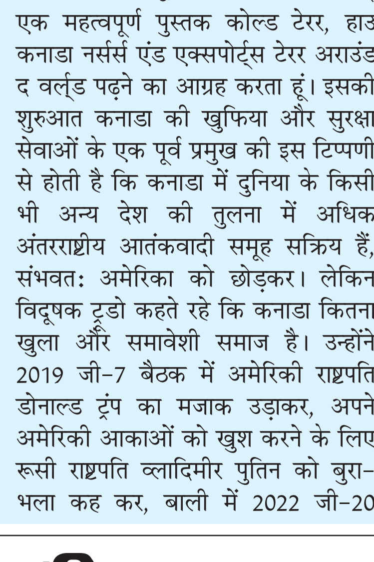

किया और इसके विरोध में कई रामभक्त अपने आराध्य और श्रद्धा स्थान पाने के लिए अदालत में भी गए और उच्चतम न्यायालय ने तारकुंडे द्वारा शिलापूजन यात्रा पर रोक लगाने संबंधी दायर याचिका को ठुकरा दिया और सारी शिलाओं को अयोध्या तक आने दिया गया। उसके बाद सितम्बर 1990 में वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण अडवानी के नेतृत्व में गुजरात के सोमनाथ से लेकर अयोध्या तक राम रथयात्रा निकाली गई और इसके जरिए भी देश में समूचा माहौल राममय हो गया था। इससे पूर्व वर्ष 1982-83 के दौरान एकात्मता यात्रा देश में 3 स्थानों से निकाली गई और करीब 50 हजार किलोमीटर की दूरी तय की गई।

पहली यात्रा हरिद्वार से चली थी और उसे कन्याकुमारी पहुंचना था। दूसरी यात्रा काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर से चलकर रामेश्वर धाम जाने वाली थी। जबकि तीसरी यात्रा बंगाल के गंगासागर से सोमनाथ तक की थी। इन तीनों यात्राओं को एक निश्चित दिन नागपुर में प्रवेश करना था। पूरी योजना तैयार कर इन यात्राओं के नागपुर प्रवेश से पहले वहां पहुंच गए। इसका सारा नियोजन और संरचना संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. मोरोपंत पिंगले ने की थी।

उक्त कुछ घटनाएं देश में हिन्दू समाज में आम लोगों में प्रभु श्रीराम के लिए अपने आराध्य के प्रति आस्था और श्रद्धा-भाव के जनजागरण को प्रदर्शित करती हैं और इस तरह के होने वाले कार्यक्रमों में हिन्दू समाज के सभी वर्गों ने अपनी प्रत्यक्ष सहभागिता से अपना विश्वास व्यक्त किया है। बाद में न्यायालय में कांग्रेस के पूर्व सांसद कपिल सिब्बल ने तो इस मामले का पुरजोर विरोध किया है यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय में लगभग 40 दिन लगभग 170 घंटे तक नियमित सुनवाई की गई और इसके बाद 9 नवम्बर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने रामजन्मभूमि अर्थात रामलला के पक्ष में अपना फैसला दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा और मार्गदर्शन से विश्व हिन्दू परिषद ने आगे पहल कर इसमें हिन्दू समाज के विभिन्न धर्म, मत, पंथ, संप्रदाय, मठों के प्रमुख धर्माचार्य, महंत आदि महान विभूतियों की अगुवाई में रामजन्ममुक्ति आंदोलन चलाया और इस आंदोलन को हिन्दू समाज के वर्गों भाषा, प्रांत, जाति और घटकों ने अपना प्रत्यक्ष सक्रिय योगदान दिया है। जिस दिन प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह अयोध्या में हो रहा था तो उसी दिन देशभर के करीब 5 लाख 59 हजार 231 स्थानों पर 9 लाख 85 हजार 625 कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें 27 करोड़ 81 लाख 54 हजार 665 लोग प्रत्यक्ष रूप से सहभागी हुए थे जो किन्हीं कारणों की वजह से अयोध्या नहीं पहुंच पाए थे।

इस तरह के सम्पर्क अभियानों से यह ज्ञात होता है कि हिन्दू समाज के पुनर्जागरण के कार्यक्रमों में शामिल होने के इच्छुक हैं और यही भाव अयोध्या में मंदिर पुनर्निर्माण कार्यक्रम के दौरान देखने को मिला कि हर घर में अपनी क्षमता के अनुसार बाहर से आए अतिथि मेहमान के आवभगत स्वागत की तैयारी में स्थानीय लोगों ने कोई कमी नहीं छोड़ी बल्कि हर बाहर से आने वाले लोगों के चाय-जलपान तथा भोजन भंडारे की व्यवस्था की थी। ये दृश्य समूची अयोध्या नगरी में देखने को मिला। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से अब लगभग एक साल होने जा रहा है और इस बीच यहां छोटे व्यापारियों का कारोबार भी अच्छा-खासा बढ़ रहा है और दुकानदारों की कमाई में भारी वृद्धि होती दिखाई दे रही है।

मंदिर निर्माण शुरू होने से पहले और अब जब मंदिर बनने के बाद से हिन्दू समाज में सभी वर्गों में जो जनजागरण होता दिखाई दे रहा है वह निश्चित रूप से देश में हिदुत्व और सांस्कृतिक राष्टीयता का प्रत्यक्ष प्रमाण हम सबको दिखाई दे रहा है।बंगलादेश में अल्पसंख्यक ङ्क्षहदुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले हो रहे हैं तो यहां भारत में उसका तीव्र रोष प्रकट हो रहा है और ऐसे समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वह नारे, 'एक है तो सेफ है' का देश की जनता भावार्थ समझने लगी है।

राष्ट्रीय युवा दिवस: विकसित भारत के लिए एक विजन

डा. मनसुख मांडविया

भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष-2047 की ओर आगे बढ़ रहा है, ऐसे में हमारे युवा विकसित भारत के निर्माण के हमारे मिशन में सबसे आगे हैं। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने के माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान पर, हमने राष्ट्रीय युवा महोत्सव को एक असाधारण रूप में परिकल्पित किया है-'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025'। यह संवाद केवल एक आयोजन नहीं है, यह एक अभियान है, युवा सशक्तिकरण, नेतृत्व और व्यावहारिक विचारों का एक जीवंत उत्सव है, जो 'विकसित भारत' से जुड़े देश के दृष्टिकोण के अनुरूप है। दो दशकों से अधिक समय से, राष्ट्रीय युवा महोत्सव सांस्कृतिक आदान-प्रदान और युवा ऊर्जा का प्रतीक रहा है। हालांकि, इस वर्ष हमने अलग तरीके से सोचने का साहस किया। 18 नवंबर, 2024 को हमने उत्सव के प्रारूप में एक अभूतपूर्व परिवर्तन की घोषणा की, जिसके केंद्र में नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र-निर्माण को रखा गया। इस परिकल्पना का केंद्र है-विकसित भारत चुनौती, जो तीन चरणों वाली प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता को भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। यह चुनौती योग्यता, समावेश और पारदर्शिता पर आधारित है, जो भौगोलिक या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना हर युवा भारतीय को योगदान करने का समान अवसर मिलना सुनिश्चित करती है। पहले चरण, विकसित भारत क्विज में देश भर के लगभग 3 मिलियन युवाओं ने भाग लिया। 12 भाषाओं में आयोजित इस प्रतियोगिता में पिछले दशकों में भारत की प्रगति के बारे में उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया, जिससे समावेश और पहुंच सुनिश्चित हुई। दूसरे चरण के तहत, विकसित भारत निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पेश किए गए 2 लाख से अधिक निबंधों में विकास के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने, सतत विकास को अपनाने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने जैसे दस विषयगत क्षेत्रों पर विचार प्रस्तुत किए गए। विशेषज्ञ पैनल द्वारा मूल्यांकित इन निबंधों ने हमारे युवाओं की रचनात्मकता, विश्लेषणात्मक सोच और मौलिकता के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। अंतिम चरण के अंतर्गत, विकसित भारत विजन डैक प्रतियोगिता में शीर्ष प्रतिभागी राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में शामिल हुए। यहां, युवा नेताओं ने क्षेत्र (डोमेन) विशेषज्ञों और नेतृत्व मध्यस्थों के पैनल के सामने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। इस चरण में जमीनी स्तर के दृष्टिकोण और क्षेत्रीय विविधता पर जोर दिया गया, जिससे युवा विकसित भारत युवा नेता संवाद 10 जनवरी, 2025 को आधिकारिक तौर पर भारत मंडपम, नई दिल्ली में शुरू होगा, जिसमें 3,000 प्रतिभागी एक ऐतिहासिक समागम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक से 1,500 प्रदर्शित करेंगे और 500 पथप्रदर्शक शामिल होंगे, जो विषयगत ट्रैक पर अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए चुने गए हैं। 11 जनवरी को एक भव्य उद्घाटन सत्र के साथ संवाद की शुरूआत होगी, जिसमें राष्ट्रीय प्रतीक, वैचारिक नेता और नवोन्मेषक भाग लेंगे। यह उच्च-स्तरीय चर्चा 10 महत्वपूर्ण विषयों पर विषयगत विचार-विमर्श के लिए मंच तैयार करेगी, जिसका नेतृत्व सलाहकार और क्षेत्र (डोमेन) विशेषज्ञ करेंगे। स्वामी विवेकानंद की जयंती और युवा सशक्तिकरण की उनकी चिरस्थायी विरासत का सम्मान करने के लिए 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बुरी तरह फ्लॉप रही बेबी जॉन, फिर भी खरीदा करोड़ों का घर

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल मुंबई के प्रमुख जुहू इलाके में अपने नए रियल एस्टेट निवेश की वजह से चर्चा में आ गए हैं। इस जोड़ी ने हाल ही में डीडेकोर ट्वेंटी बिल्डिंग में दो शानदार फ्लैट खरीदे हैं। इसकी कीमत करोड़ों में हैं।

छठी और सातवीं मंजिल पर है आलीशान आशियाना

इन दोनों फ्लैट का कार्पेट एरिया 9,730 स्क्वायर फीट है। अभिनेता के ये फ्लैट बिल्डिंग की छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित है। इसमें पांच करोड़ 21 लाख रुपये का स्टाम्प ड्यूटी भी अदा की गई।

इतनी है अपार्टमेंट की कीमत

वरुण धवन और नताशा दलाल के इस अपार्टमेंट में आठ कार पार्किंग स्पेस भी हैं, जो इस घर की लग्जरी को और भी ज्यादा बढ़ा रहे हैं। इस खरीदारी का प्रति वर्ग फीट मूल्य 89,332 रुपये है। घर की कीमत 86.92 करोड़ रुपये है। जुहू क्षेत्र अपनी शानदार लाइफस्टाइल और फिल्मी हस्तियों के लिए मशहूर है। इस जगह पर कई सितारों के घर मौजूद हैं।

जुहू में रहते हैं कई सितारे

जुहू और बांद्रा मुंबई के वे प्रमुख इलाके हैं, जहां कई बॉलीवुड सितारे रहते हैं। अमिताभ बच्चन के पास जुहू में प्रतिक्षा और जलसा जैसे शानदार बंगले हैं। इसके अलावा, धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी, अक्षय कुमार, अजय देवगन, काजोल, गोविंदा और संजय लीला भंसाली भी जुहू क्षेत्र में रहते हैं। वहीं, सलमान खान, शाहरुख खान, आमिर खान, सैफ अली खान और करीना कपूर सहित कई सितारे बांद्रा इलाके में रहते हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगे वरुण

वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव के साथ नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। उनकी आगामी फिल्म की बात करें तो वह फिल्म नो एंट्री 2 में नजर आएंगे, जिसमें दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर भी होंगे। इसके अलावा, वरुण धवन के पास फिल्म बॉर्डर 2 में भी है। फिल्म में वह सनी देओल, दिलजीत और अहान शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगे।

राशा से लेकर शनाया तक इस साल डेब्यू करेंगे ये स्टारकिड्स

इस साल 2025 में कई बॉलीवुड स्टार किड्स बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं। आइए आपको बताते हैं इन स्टार किड्स के एजुकेशन के बारे में...

राशा थडानी

बॉलीवुड की दुनिया में आजाद फिल्म से डेब्यू करने जा रही राशा ने धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने साल 2021 में इंटरनेशनल जनरल सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन की पढ़ाई साल 2021 में पूरी की है। वे अब फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।

इब्राहिम अली खान

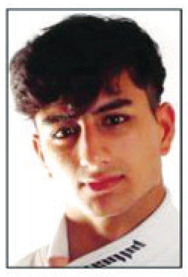

सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान सरजमीं से डेब्यू करेंगे। इब्राहिम ने धीरूभाई अंबानी स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से ग्रेजुएशन कर फिल्म मेकिंग में डिग्री ली।

अमान देवगन

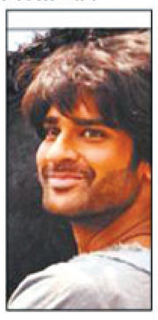

अजय देवगन के भांजे अमान देवगन भी राशा के साथ फिल्म आजाद से डेब्यू करने जा रहे हैं। अमान ने मुंबई के स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने नेब्रास्का विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा मिशिगन विश्वविद्यालय के रॉस स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए की डिग्री ली।

सिमर भाटिया

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी डेब्यू करने को तैयार है। सिमर ने मुंबई के स्कूल से स्कूलिंग की। उनकी आगे की पढ़ाई की डिटेल्स अभी मौजूद नहीं है।

अहान पांडे

अहान पांडे मोहित सूरी की फिल्म से डेब्यू करेंगे। अहान ने मुंबई के ओबेरॉय स्कूल से पढ़ाई की और फिर ग्रेजुएशन किया। वे दो फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक रह चुके हैं।

शनाया कपूर

शनाया कपूर भी इस साल बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर साल 2025 में उनकी फिल्म वृषभा और आंखों की गुस्ताखियां रिलीज होने वाली हैं। एजुकेशन की बात करें तो मुंबई के इकोले मोंडिएल वर्ल्ड स्कूल से पढ़ाई की। उन्होंने एक्टिंग की ट्रेनिंग की है। शनाया वर्तमान में लंदन के इस विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में कला स्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। शनाया अपनी पहली फिल्म में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा के साथ काम करने वाली हैं।

वीर पहाड़िया

स्काई फोर्स से डेब्यू कर रहे वीर पहाड़िया ने भी धीरूभाई अंबानी के स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद बॉस्टन के कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री भी ले चुके हैं। उन्होंने ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेंट में बी.ए. की पढ़ाई की है।

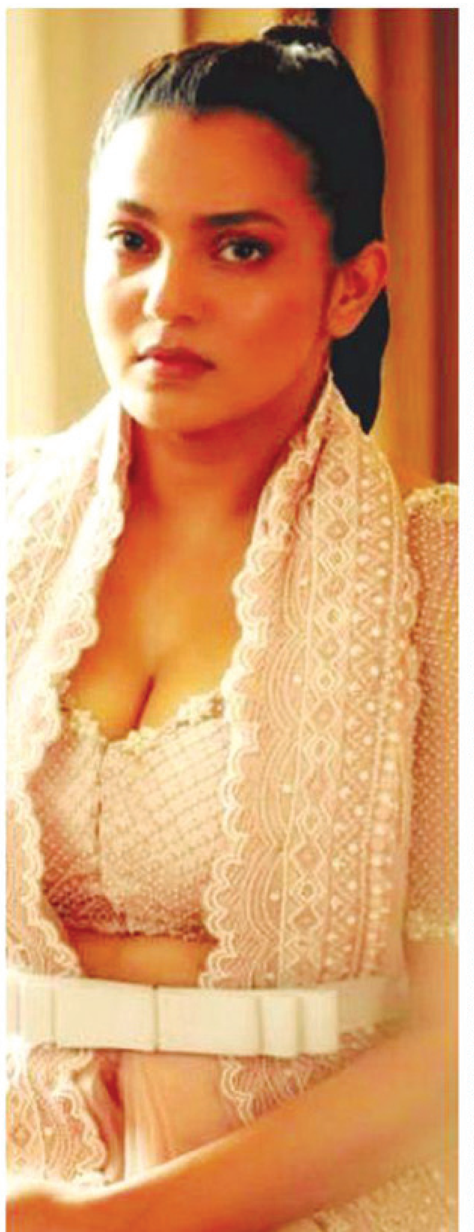

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बोलीं एक्ट्रेस पार्वती

अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु वायनाड लिटरेचर फेस्टिवल में अतिथियों में से एक थीं, लेखिका अरुंधति रॉय के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि आज के युवा मलयालम अभिनेता पुरानी पीढ़ी से बदतर हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई झगड़े और हिंसा करने वाले पुरुषों का गुणगान करने वाले सितारों के लिए फिल्में अभी भी बन रही हैं।

नई पीढ़ी को लेकर की बात

जब पार्वती से पूछा कि वर्तमान पीढ़ी में महिलाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों का तरीका थोड़ा परेशान करने वाला है। पहले के लोग कुछ अन्य चीजों से परेशान थे, आज के लोगों की समस्याएं दूसरी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है। इंडस्ट्री में कुछ लोग निराश हैं क्योंकि उन्हें वे लाभ नहीं मिल रहे हैं जो पुरानी पीढ़ी को मिल रहे थे।

इसलिए चर्चा में रहती हैं पार्वती

पार्वती थिरुवोथु को उनके खुलकर बोलने की बात करने की आदत के कारण जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मलयालम इंडस्ट्री में बहुत सारे बदलाव आए हैं। यहां बड़ी बजट की फिल्में बनने लगी हैं, इसके बाद भी वही मुद्दे फिल्मों में दिखाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, पहले मुझे चिंता होती थी कि मुझे फिर से इन लोगों के साथ काम करना पड़ेगा। लेकिन अब ऐसे विचार मुझे परेशान नहीं करते। पार्वती ने कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में बाथरूम पार्वती का नाम मिला क्योंकि उन्होंने सेट पर महिलाओं को लिए सही शौचालय व्यवस्था को लेकर बात की थी। इससे पहले पार्वती को मलयालम फिल्म हर में देखा गया, इसका निर्देशन लिजिन जोस ने किया था।

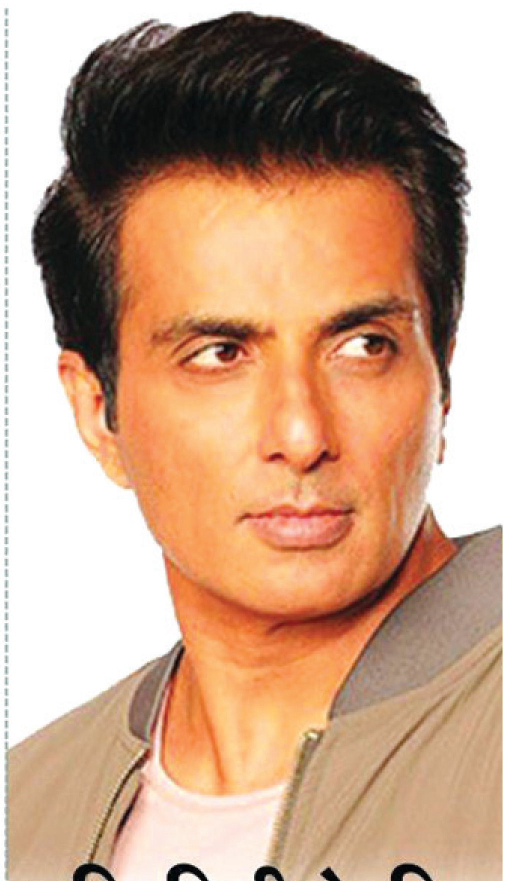

पब्लिसिटी के लिए बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं एक्टर्स

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मुखर होकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। वह राजनीतिक मुद्दों पर भी अपने विचार खुलकर रखते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी खूब सक्रिय रहते हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फतेह को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोनू सूद फिल्म का खूब प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही इंडस्ट्री की कई छुपी बातों का खुलासा भी कर रहे हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया है कि कुछ अभिनेता लोगों का अटेंशन लेने के लिए अपने बॉडीगार्ड से हंगामा करवाते हैं।

पब्लिसिटी के लिए कलाकार करते हैं ये काम

हाल ही में जिस्ट के साथ एक साक्षात्कार में, सोनू सूद ने बॉलीवुड कलाकारों पर कटाक्ष किया है और कहा है कि कुछ लोग कैमरे के पीछे भी काफी अच्छी एक्टिंग करते हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड के लोगों के सिर्फ कैमरे के आगे की एक्टिंग करनी चाहिए। जैसे ही कैमरा बंद हो जाए, उन्हें एक्टिंग करनी भी बंद कर देनी चाहिए। हालांकि, कुछ लोगों से इतना भी नहीं होता है, उनकी पूरा जीवन हर समय एक्टिंग करने में ही निकल जाता है।

फैंस से बातचीत करना सोनू को है पसंद

अभिनेता ने आगे कहा, कई बार वीडियो वायरल होते हैं कि किसी कलाकार के बॉडीगार्ड ने हंगामा कर कर दिया। कई लोग बॉडीगार्ड साथ लेकर जाते हैं। यहां तक कि मैं भी बड़े इवेंट्स में बॉडीगार्ड साथ लेकर जाता हूं। हालांकि, मैं अपने बॉडीगार्ड से कहता हूं कि मुझे लोगों के बीच में जाने दो क्योंकि मुझे उनसे बातचीत करना पसंद है। कई कलाकार इसका भी पब्लिसिटी के इस्तेमाल करते हैं।

लोगों की अटेंशन पाने के लिए सोनू रखते थे बॉडीगार्ड

सोनू ने यह भी बताया कि बॉलीवुड में कई लोग बॉडीगार्ड सिर्फ अटेंशन लेने के लिए रखते हैं। अभिनेता ने कहा, उन्होंने कहा, उनमें से कई लोग एयरपोर्ट पर भी अपने बॉडीगार्ड रखते हैं और फिर वे वहां पूरा तमाशा बनाते हैं। एक बार मैंने एक बॉडीगार्ड से बात की और पूछा, तुम तमाशा क्यों बना रहे हो? क्या तुम शांति से नहीं चल सकते? उसने कहा, नहीं सर, हमें ड्रामा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोग नहीं करेंगे नोटिस

बॉडीगार्ड ने अभिनेता से कहा कि अगर ऐसा नहीं किया तो हम पर चिल्लाया जाएगा। सोनू ने कहा कि इसलिए बहुत से अभिनेता लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने साथियों के साथ ये सब ड्रामा करते हैं क्योंकि उन्हें बस इस बात का डर होता है कि अगर वे बिना ड्रामा के किसी जगह पर जाएंगे तो लोग उन्हें नोटिस नहीं करेंगे।

गुड बैड अग्ली की रिलीज डेट का एलान, प्रभास की द राजा साब से भिड़ेंगे अजित

अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म गुड बैड अग्ली को आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज की तारीख मिल गई है। फिल्म का निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कई तरह की आशंकाएं बनी हुई थीं, लेकिन आखिरकार आज निर्माताओं ने गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है।

फिल्म की नई रिलीज डेट

निर्देशक आदिक रविचंद्रन ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया और एलान किया कि यह फिल्म 10 अप्रेल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आज सोमवार को एक्स पर शेयर किए गए नए पोस्टर में अजित एक शानदार टू-पीस व्हाइट सूट में एक पिस्तौल पकड़े हुए सोफे पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ आदिक रविचंद्रन ने एक कैप्शन लिखा, गुड बैड अग्ली 10 अप्रैल को आ रही है।

प्रभास की फिल्म से कड़ी टक्कर

हालांकि, इस तारीख को फिल्म की रिलीज आसान नहीं होने वाली है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर सुपरस्टार प्रभास की फिल्म द राजा साब से होगी। 10 अप्रैल 2025 को प्रभास की द राजा साब भी रिलीज हो रही है। प्रभास इस समय सबसे बड़े पैन इंडिया स्टार हैं, जबकि अजीत के तमिलनाडु में बहुत बड़े प्रशंसक हैं, इसलिए यह टकराव देखना बहुत दिलचस्प होगा। अब देखना यह होगा कि कौन सी फिल्म किस पर भारी पड़ती है। गुड बैड अग्ली के बारे में अपडेट साझा करते हुए इससे पहले मैत्री मूवी मेकर्स के निर्माता नवीन यरनेनी ने चेन्नई में पुष्पा 2 के प्री-रिलीज इवेंट में फिल्म की रिलीज के बारे में अपडेट साझा किया। उन्होंने गुड बैड अग्ली के पोस्टपोन का संकेत दिया था। दरअसल, यह फिल्म को पहले पोंगल 2025 के मौके पर रिलीज किया जाना था, क्योंकि अजित की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची की रिलीज को रास्ता दिया गया था, लेकिन अंतिम समय में विदामुयार्ची की रिलीज को भी आगे खिसका दिया गया। ऐसे में अजित की दोनों फिल्मों के हाथ से पोंगल की तारीख निकल गई। हालांकि, अब तक विदामुयार्ची की नई रिलीज पर अपडेट नहीं आया है, लेकिन गुड बैड अग्ली की रिलीज की तारीख ने फैंस को उत्साहित कर दिया है।

इस फिल्म में अजित कुमार, तृषा, प्रसन्ना और सुनील प्रमुख भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में होंगे। अजित के तीन किरदार फिल्म के नाम गुड बैड अग्ली को दिखाएंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित एक नकारात्मक किरदार भी निभा सकते हैं।

तलाक के बाद प्यार की तलाश में हैं संजीदा?

टीवी अभिनेत्री संजीदा शेख अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। संजीदा ने पहले आमिर अली से शादी की थी, हालांकि अब अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें प्यार पर भरोसा है। एक साक्षात्कार में संजीदा शेख कहा कि आज के वक्त में प्यार ढूंढना कोई मुश्किल काम नहीं है।

संजीदा ने बताया कि आज के समय में कोई ऐसा पार्टनर मिले, जो आपकी आत्मा को शांति दे। अभिनेत्री ने आगे कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि यह एक्पीरियंस सबको मिले। संजीदा ने यह भी कहा कि रिश्ते में धोखा हमेशा ही मिलता है, लेकिन प्यार पर भरोसा करना जरूरी है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी फरवरी में जाएंगे फ्रांस

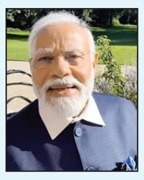

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने फ्रांस का आधिकारिक दौरा करेंगे। वे वहां 10 और 11 फरवरी को होने वाले कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिखर सम्मेलन में हिस्सा भी लेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पीएम मोदी के दौरे की पुष्टि की है। फ्रांस के पीएम मोदी के दौरे के बारे में जानकारी देते हुए मैक्रों ने कहा कि पीएम मोदी फ्रांस की राजकीय यात्रा के तत्काल बाद एआई शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस दौरान वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। मैंक्रों ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन भारत के साथ ही तमाम वैश्विक शक्तियों जैसे आईईए, अमेरिका, चीन, और खाड़ी देश से वार्ता में सक्षम बनाएगा। गौरतलब है कि 10 और 11 फरवरी को आयोजित होने वाले फ्रांस के एआई एक्शन समिट का लक्ष्य यूरोप को अग्रणी एआई महाद्वीप के रूप में पेश करना है। पीएम मोदी की मैक्रों के साथ आखिरी मुलाकात 18 नवंबर को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुई थी।

मोदी के मैं भगवान नहीं वाली टिप्पणी पर कांग्रेस का तंज

नईदिल्ली। ज़ेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ द्वारा होस्ट किए गए पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंसान हूं, भगवान नहीं वाले बयान के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष किया हैं। जयराम रमेश ने दावा किया कि खुद को गैर-जैविक घोषित करने के बाद मोदी अब डैमेज कंट्रोल कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जारी अपने पहले पॉडकास्ट में कहा कि यह उनके जीवन का मंत्र रहा है कि वह गलतियां कर सकते हैं लेकिन बुरे इरादों से कुछ भी गलत नहीं करेंगे। मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, रमेश ने एक्स पर लिखा कि यह उस व्यक्ति की ओर से कहा जा रहा है जिसने सिर्फ आठ महीने पहले खुद को नॉन बॉयोलॉजिकल घोषित किया था। यह स्पष्ट रूप से डैमेज कंट्रोल है। पीएम मोदी ने अपने पॉडकास्ट डेब्यू को स्वीकार करते हुए जवाब दिया कि यह मेरा पहला पॉडकास्ट है, मुझे नहीं पता कि यह आपके दर्शकों को कैसा लगेगा।

शीशमहल वाले आप-दा-ए-आजम को भगाना है : भाजपा

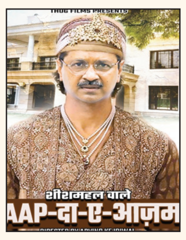

नईदिल्ली। 5 फरवरी, 2025 को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले सियासी लड़ाई तेज हो गई है। भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला करते हुए उन्हें शीशमहल का आप-दा-ए-आजम कहा है जिसे भगाने की जरूरत है। भाजपा ने आप नेताओं पर भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाया है, जबकि आप शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में अपनी उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा की दिल्ली इकाई ने सोशल मीडिया पर अपना हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल को बाहर का रास्ता दिखाने का फैसला कर लिया है। दिल्ली भाजपा ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली की जनता ने ठाना है, शीशमहल वाले आप-दा-ए-आजम को भगाना है। भाजपा का आरोप है कि आप-दा वाले आज़म ने जनता के खून पसीने को लूटकर अपने लिए शीशमहल बनवाया है।

ईसी की आंखों में धूल झोंक रहे हैं भाजपा के मंत्री : संजय सिंह

नईदिल्ली। दिल्ली चुनाव के लिए वोटर लिस्ट को लेकर आप और बीजेपी के बीच घमासान मचा हुआ है। संवाददाता सम्मेलन में संजय सिंह ने कई भाजपा नेताओं के एक ही परिसर से बड़ी संख्या में मतदाता आवेदन करने का आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के सांसद और केंद्रीय मंत्री चुनाव आयोग की आंखों में धूल झोंककर फ्रॉड कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवार प्रवेश वर्मा जिस सांसद बंगले पर कब्ज़ा किए हुए हैं, वहां से 33 वोट बनवाने की एप्लीकेशन दी गयी है। उन्होंने कहा कि 8 महीने से प्रवेश वर्मा सांसद आवास पर कब्ज़ा करके बैठे हैं और उसी पते पर वोट बनवाने की आवेदन दी है। संजय सिंह ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी और कमलेश पासवान के सरकारी आवास के पते पर वोट बनवाने का आवेदन दिया गया।

सीएम फडणवीस ने शरद पवार पर कसा तंज

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनसीपी (शपा) प्रमुख शरद पवार द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ किए जाने के बाद उन पर तंज कसा। सीएम फडणवीस ने कहा कि पवार ने आरएसएस की प्रशंसा की, यह देखने के बाद कि कैसे संगठन 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा फैलाए गए फर्जी नैरेटिव पर काबू पाने में कामयाब रहा। सीएम फडणवीस के अनुसार, विपक्ष ने यह दावा किया था कि भाजपा संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने के लिए 400 सीटें जीतना चाहती है। सीएम ने कहा कि शरद पवार साहब बहुत बुद्धिमान हैं। उन्होंने निश्चित रूप से इस पहलू का अध्ययन किया होगा। उन्होंने महसूस किया कि यह (आरएसएस) एक नियमित राजनीतिक शक्ति नहीं बल्कि एक राष्ट्रवादी शक्ति है। किसी भी प्रतियोगिता में दूसरों की प्रशंसा करना अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि शायद इसलिए पवार ने आरएसएस की तारीफ की होगी।

आप ने शराबबंदी नीति में जानबूझकर की चूक, 2026 करोड़ का हुआ नुकसान: नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार पर आरोप लगाया कि उन्होंने शराबबंदी नीति में जानबूझकर चूक की, जिससे राज्य के राजकोष को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। जेपी नड्डा ने कहा कि केजरीवाल और उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी ने सत्ता के नशे में चूर होकर कुशासन की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार का आपदा का लूट का मॉडल अब पूरी तरह से उजागर हो चुका है, खासकर शराब नीति से संबंधित मामलों में।

नड्डा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, सत्ता के नशे में चूर, कुशासन में मस्त। आपदा का लूट का मॉडल पूरी तरह से सामने आया और वह भी शराब जैसी चीज पर। बस कुछ ही हफ्तों की बात है जब उन्हें वोट देकर सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा और उनके कुकर्मों के लिए दंडित किया जाएगा। शराबबंदी पर सीएजी रिपोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी सरकार की पोल खोली। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नीति कार्यान्वयन में जानबूझकर चूक की गई, जिसकी वजह से राजकोष को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा।

बता दें कि बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, शराब घोटाले से सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बीजेपी का कहना है कि इस पॉलिसी को लागू करने में गलती हुई है और आप के नेताओं को रिश्वत भी मिली है। यह पहली बार है जब शराब घोटाले से हुए नुकसान का आंकड़ा सामने आया है।

पाठशाला के बदले बनी मधुशाला, झाड़ू से दारू पर आ गए केजरीवाल

दिल्ली में चुनावी दंगल के बीच भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शराब घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि दिल्ली शराब घोटाला 2026 करोड़ का है और राजकोषीय घाटा भी इतना ही हुआ है। उन्होंने दावा किया कि यह कैग रिपोर्ट कह रही है। भाजपा नेता ने कहा कि वर्ष 2025 चल रहा है, लेकिन मैं 2026 की बात करने आया हूं। क्योंकि 2025 वित्तीय वर्ष है, लेकिन शराब घोटाला 2026 करोड़ रुपये का है। जी हां, दिल्ली शराब घोटाले से 2026 करोड़ का राजकोषीय घाटा हुआ है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कहा था कि हम पाठशाला बनाएंगे, लेकिन पाठशाला की जगह मधुशाला बनी। आप पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि ये झाड़ू की बात करते थे, झाड़ू से दारू पर आए। ये स्वराज की बात करते थे, लेकिन स्वराज से शराब पर आए। इनकी 10 वर्षों की ये यात्रा घोटालों और आप के पाप की है। उन्होंने कहा कि इनके 8 मंत्री, 15 विधायक, 1 सांसद और यहां तक कि मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री भी जेल गए। हिंदुस्तान में आजादी के बाद कोई ऐसी सरकार नहीं होगी, जिसने इतने पाप किए होंगे, जितने आप ने किए हैं।

आपको बता दें कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के कारण सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का पता चला है। लीक हुई कैग रिपोर्ट के हवाले से एक निजी मीडिया समूह ने दावा किया है कि इसमें लाइसेंस जारी करने में महत्वपूर्ण खामियों, नीतिगत विचलन और उल्लंघनों पर प्रकाश डालती है।

इंडिया गठबंधन में बढ़ी रार, उद्धव ठाकरे ने एमवीए को दिया बड़ा झटका

कांग्रेस के पास दिल्ली में कुछ नहीं, आप ही भाजपा को हरा सकती है

मुंबई। इंडिया गठबंधन में चल रहे खटपट के बीच उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने इशारों-इशारों में बता दिया है कि उनकी पार्टी दिल्ली चुनाव में किसका समर्थन करने जा रही है। आनंद दुबे ने कहा कि इंडिया गठबंधन में ज्यादातर पार्टियां आम आदमी पार्टी का समर्थन कर रही हैं क्योंकि इंडिया गठबंधन के सामने अगर कोई दुश्मन बनकर आया है तो वो है बीजेपी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बीजेपी को हरा सकती है, इसलिए इंडिया गठबंधन उसका मनोबल बढ़ा रहा है।

दुबे ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस के पास दिल्ली में कुछ भी नहीं है। जब कांग्रेस पार्टी राज्यों में गंभीरता से काम नहीं कर रही है तो स्वाभाविक है कि समाजवादी पार्टी, टीएमसी, शिवसेना और राजद सभी अरविंद केजरीवाल की मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस बात से दुखी नहीं होना चाहिए, जब राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव होंगे तो उनकी भूमिका जरूर होगी, लेकिन जब राज्यों की बात आती है तो राज्य की पार्टियों को प्राथमिकता देने की जरूरत है।

यूबीटी नेता ने यह भी कहा कि जब महाराष्ट्र में चुनाव थे तो अगर मुख्यमंत्री के लिए उद्धव ठाकरे के नाम की घोषणा हो जाती तो बीजेपी का सफाया हो जाता, लेकिन तब कांग्रेस अहंकार में थी। इससे पहले संजय राउत ने कहा था कि हमने लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा और नतीजे भी अच्छे रहे। उसके बाद यह हम सभी की, विशेषकर कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि हम इंडिया गठबंधन को जीवित रखें, साथ बैठें और आगे का रास्ता दिखाएं। लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद अब तक ऐसी एक भी बैठक नहीं हुई है। यह इंडिया गठबंधन के लिए सही नहीं है। उन्होंने दावा किया कि उमर अब्दुल्ला, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं का कहना है कि इंडिया गठबंधन का अब कोई अस्तित्व नहीं है।

आप का खेल बिगाड़ने की तैयारी में कांग्रेस अल्पसंख्यक और ओबीसी वोटर्स पर फोकस

दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस खास मतदाता समूहों पर फोकस कर रही है। पार्टी सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार कर रही है। लेकिन महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक, ओबीसी और अनुसूचित जाति आबादी वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है। कांग्रेस का लक्ष्य इन पारंपरिक समर्थकों के साथ फिर से जुड़ना है। कांग्रेस का फोकस खासकर झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में भी बहुत दिख रहा है। ऐसे में कांग्रेस आम आदमी पार्टी के खेल को बिगाड़ने की कोशिश में है। हालांकि, ये बात भी सही है कि 2013 से पहले ये वोटर्स कांग्रेस के ही हुआ करते थे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि मुस्तफाबाद, सीलमपुर, ओखला, बाबरपुर, चांदनी चौक, मटिया महल, बल्लीमारान और गोकुलपुरी जैसे अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों ने वर्षों से लगातार हमारा समर्थन किया है। पार्टी नेता के मुताबिक इससे पता चलता है कि हमने पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान पर्याप्त वोट क्यों हासिल किए। हमने इनमें से अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है ताकि घटकों को हमारी पार्टी की गारंटी के बारे में जागरूक करने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित किया जा सके।

स्थानीय निकायों के चुनाव अकेले लड़ेगी शिवसेना (यूबीटी)

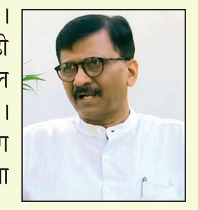

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया कि उनकी पार्टी विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव अकेले लड़ेगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन और महाविकास अघाड़ी गठबंधन केवल लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए था। उन्होंने आगे बताया कि गठबंधन में अलग-अलग पार्टियों के कई कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता है। यह संगठनात्मक विकास में बाधा डालता है।

पत्रकारों से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, गठबंधन में अलग-अलग पार्टियों के कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता और इससे संगठनात्मक विकास बाधित होता है। हम अपनी ताकत के दम पर मुंबई, ठाणे, नागपुर और अन्य नगर निगमों, जिला परिषदों और पंचायतों में चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी को संकेत दिए कि उन्हें अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने कहा कि जो लोग आम सहमति और समझौते पर भरोसा नहीं करते उन्हें गठबंधन में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद इंडी गठबंधन ने एक भी बैठक नहीं की। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, इंडी गठबंधन के लिए हम एक संयोजक तक नियुक्त नहीं कर पाए। यह अच्छा नहीं है। गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते बैठक बुलाने की जिम्मेदारी कांग्रेस की थी। उन्होंने आगे कहा, यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वे इंडी गठबंधन को बचाए। कांग्रेस एक महान पार्टी है। यह सच है कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। लोकसभा चुनाव के बाद एक बैठक नहीं हुई।

पीएम मोदी के पॉडकास्ट पर दी प्रतिक्रिया

पीएम मोदी के पहले पॉडकास्ट पर भी संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। अपने पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने कहा था कि वे एक इंसान हैं और गलतियां कर सकते हैं। इस पर शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, वे (पीएम मोदी) भगवान हैं। मैं उन्हें इंसान नहीं मानता। भगवान तो भगवान हैं। अगर कोई उन्हें भगवान का अवतार मानता है तो वे इंसान कैसे हो सकते हैं। वह विष्णु का 13वां अवतार है। अगर किसी इंसान को भगवान माना जाता है, लेकिन वह कहता है कि वह इंसान है तो इसमें कुछ गलत है।

खेल
प्रमुख समाचार

मयंक चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव इंग्लैंड के खिलाफ अगले सफेद गेंद सीरीज से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, मयंक पीठ में चोट से जूझ रहे हैं और वो पिछले साल ही चोटिल हो गए थे। वो इस समय अपनी इंजरी से उबर रहे हैं। भारत को इंग्लैंड टीम के खिलाफ 5 टी20 और 3 वनडे मैच खेलने हैं। वहीं चोट के कारण मयंक का टीम इंडिया की टी20 टीम में शामिल होना संभव नहीं लग रहा है।

मयंग यादव ने अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। हालांकि, इस सीरीज के बाद उन्हें एक और चोट लगी और इसकी वजह से वो नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से चूट गए थे साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट भी नहीं खेल पाए। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार मयंक यादव अभी भी पीठ की चोट से उबर रहे हैं और इंग्लिश टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उनके समय पर फिट होने की संभावना नहीं है। 22 वर्षीय मयंक को 23 जनवरी से सौराष्ट्र के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण के पहले मैच के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल नहीं किया गया है। मयंक के आईपीएल 2025 के दौरान वापसी करने की उम्मीद जताई जा रही है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि वह पीठ की चोट से पीड़ित हैं और इंग्लैंड सीरीज के लिए उनके फिट होने की संभावना नहीं है। उन्हें 23 जनवरी से सौराष्ट्र के खिलाफ दूसरे चरण के पहले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए भी संभावित खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया है। फिलहाल, तेज गेंदबाज कुछ महीनों से बेंगलुरु में एनसीए में हैं जहां वो अपनी इंजरी पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 12 अक्टूबर 2023 को हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में भारत के लिए खेला था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान प्रमुख समाचार

क्या मिडिल क्लास की उम्मीदें इस बार के बजट में पूरी होंगी?

नईदिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह दिन देशभर के करदाताओं के लिए बेहद अहम होता है। खासतौर पर लोग आयकर से जुड़ी घोषणाओं का बेसब्री से इंतजार करते हैं, ताकि यह पता चले कि आम आदमी को कोई राहत मिलेगी या नहीं। इस साल बजट को लेकर चर्चा है कि क्या टैक्स स्लैब में बदलाव होगा या कोई नई राहत की घोषणा होगी। मीडिया ने इस विषय पर विशेषज्ञों से बात की और जाना कि सरकार से किस तरह की घोषणाओं की उम्मीद की जा सकती है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने टैक्स कानूनों की समीक्षा और सरल बनाने के लिए व्यापक तैयारी की है। इससे उम्मीदें बढ़ गई हैं कि बजट में ऐसे सुधार हो सकते हैं, जो प्रक्रियाओं को आसान बनाने और टैक्सपेयर्स का भरोसा बढ़ाने में मदद करें। आशीष अग्रवाल ने कहा, इस बजट में इनकम टैक्स एक्ट का पूरा बदलाव होना मुश्किल है।

अगले हफ्ते सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ

नईदिल्ली। दलाल स्ट्रीट पर अगले हफ्ते भी हलचल जारी रहेगी। आईपीओ में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए यह सप्ताह एक्शन से भरपूर होने वाला है। 13 से 17 जनवरी के बीच प्राइमरी मार्केट में 5 आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहे हैं। इनमें से एक मैनबोर्ड और 4 एसएमई आईपीओ हैं। इसके अलावा, प्राइमरी मार्केट में 8 कंपनियां भी डेब्यू करेंगी। निवेशकों की नजर इन कंपनियों के शेयरों पर भी रहेंगी। लक्ष्मी डेंटल का आईपीओ सोमवार, 13 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और बुधवार, 15 जनवरी को बंद होगा। आईपीओ के माध्यम से कंपनी की योजना 698.06 करोड़ रुपये जुटाने की है। लक्ष्मी डेंटल आईपीओ 698.06 करोड़ रुपये का बुक बिल्ट इश्यू है। इसमें 138.00 करोड़ रुपये के 32.24 लाख नए शेयरों का फ्रेश इश्यू और 560.06 करोड़ रुपये के 1.31 करोड़ शेयरों का ऑफर-फॉर-सेल शामिल है।

2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था रहेगी 'थोड़ी कमजोर'

नईदिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का मानना है कि वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था 'थोड़ी कमजोर' रह सकती है। शुक्रवार को पत्रकारों के साथ अपनी वार्षिक चर्चा में जॉर्जीवा ने कहा कि 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की संभावना है, लेकिन इसमें क्षेत्रीय अंतर रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल वैश्विक स्तर पर काफी अनिश्चितता बनी रहेगी, खासतौर पर अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर। जॉर्जीवा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था 'थोड़ी कमजोर' रहेगी। हालांकि, उन्होंने इस पर अधिक विवरण नहीं दिया। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड इकोनॉमी आउटलुक अपडेट वीक में इस पर अधिक जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा, अमेरिका उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ कुछ हद तक ठहराव का सामना कर रहा है, और भारत थोड़ी कमजोर स्थिति में है।

भारत में स्टार्टअप फंडिंग 115 बिलियन यूएसडी हुई

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के मौके पर भारतीय स्टार्टअप्स के प्रदर्शन के आंकड़े जारी किए। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत 2016 से लेकर अब तक भारत में पंजीकृत स्टार्टअप्स की संख्या 400 से बढ़कर 2024 के अंत तक 1.57 लाख से अधिक हो गई है। वहीं, स्टार्टअप नीति बनाने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की संख्या 2016 में 4 से बढ़कर 31 हो गई है। फंडिंग क्षेत्र में भी बड़ा उछाल देखा गया है, जो 2016 में 8 बिलियन यूएसडी से बढ़कर अब 115 बिलियन यूएसडी तक पहुंच गया है। डीपीआईआईटी के अनुसार, भारतीय स्टार्टअप्स ने 1.7 मिलियन से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। यूनिकॉर्न्स की संख्या भी काफी बढ़ी है, 2016 में जहां ये 8 थीं, अब ये 118 हो गई हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मजबूत होगा बैंकिंग तंत्र

सतीश सिंह

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का चलन बैंकिंग समेत दुनिया के सभी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। इसकी मदद से महत्वपूर्ण कारोबारी निर्णय लेने में बैंक दूसरे बहुत से क्षेत्रों से आगे हैं। बैंकों में आज अधिकांश वित्तीय और गैर-वित्तीय सेवाओं को एआइ की मदद से मूर्त रूप दिया जा रहा है, जिनमें खाते के लेनदेन के बारे में पूछताछ, खाते का स्टेटमेंट, पासबुक प्रिंटिंग, खाते खोलना, जमा और निकासी, ऋण पात्रता, बैलेंस शीट व गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) खातों का विश्लेषण आदि शामिल है।

एआइ से लैस मशीन मानवों की तरह सबसे पहले किसी समस्या को समझते है, फिर निर्णय लेते हैं कि क्या करना उचित होगा और अंत में समस्या का समाधान करते हैं। बैंकों की योजना है कि एआइ आधारित चैटबोट का इस्तेमाल किया जाए, ताकि ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुकूल ज्यादा असरदार और प्रभावी तरीके से सेवाएं मुहैया करायी जा सकें। इन चैटबोट के जरिये बैंक अपने ग्राहकों की समस्याओं और शिकायतों को ज्यादा तेजी से निबटाने में सक्षम हो सकते हैं।

वेल्थ मैनेजमेंट सर्विस, ऋण अंडरराइटिंग, कस्टमर एनालिटिक्स, फ्रॉड की पहचान और बैंकिंग सेवाओं से संबंधित अन्य मसलों को सुलझाने में चैटबोट की अहम भूमिका होती है। बैंकिंग प्रणाली के दायरे में जब किसी तरह की धोखाधड़ी होती है तो उसका पता लगाना आसान नहीं होता है, पर एआइ से लैस मशीन फर्जीवाड़े को आसानी से पकड़ सकता है। उसकी मदद से यह भी जाना जा सकता है कि धोखाधड़ी की गतिविधियों को अंजाम देने की प्रक्रिया कहां से और कैसे शुरू हुई थी। इसके अतिरिक्त,

लेनदेन संबंधी सुरक्षा भी एआइ के जरिये की जा सकती है। इसके जरिये व्यापक स्तर पर आंकड़ों का विश्लेषण किया जा सकता है।

वर्तमान में हमारे देश में लगभग 114 करोड़ से अधिक लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्मार्टफोन की संख्या बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में एआइ के इस्तेमाल में भी बढ़ोतरी हो रही है, क्योंकि मौजूदा स्मार्टफोन एआइ फीचर से लैस होते हैं। आज लगभग सभी भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहकों के स्मार्टफोन में योनो इंस्टाल है, जिसमें निकासी, निवेश, पैसों के अंतरण, बिल भुगतान आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए एआइ-पावर चैट सहायक शुरू किया था, जिसे 'एसबीआइ इंटेलिजेंस असिस्टेंट या एसआइए' भी कहा जाता है। यह ग्राहकों को मदद मुहैया कराने, धोखाधड़ी को रोकने व पता लगाने, आंकड़ों का विश्लेषण करने, ऋण प्रबंधन, वित्तीय साक्षरता को बढ़ाने आदि में मदद करता है। एसआइए से ग्राहक सेवा में बेहतरी, बैंकों के परिचालन व्यय में कमी आ रही है और बैंकों के उत्पादों और सेवाओं से जुड़ी समस्याओं का निवारण भी हो रहा है। बैंकों में कई कार्यों के निष्पादन हेतु रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जो बैंक में आये ग्राहकों का स्वागत करने, उन्हें सही काउंटर तक पहुंचाने, ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड व होम लोन जैसी जानकारियां देने जैसे काम कर सकता है। एआइ युक्त मशीनें वित्तीय दुनिया में तेजी से अपना पैर पसार रही हैं। पारंपरिक रूप से वित्तीय दुनिया में विशेषज्ञों की खास जगह रही है। ये कर्ज, निवेश, बचत आदि के बारे में अपनी सलाह देते हैं, पर अब इन क्षेत्रों में स्टार्ट-अप और बड़ी-बड़ी कंपनियों के आने से एआइ से लैस मशीनों का इस्तेमाल बढ़ गया है। पहले कर्ज देने का काम बैंक अधिकारी और अंडरराइटर्स की मदद से किया जाता था, अब इसकी जगह आंकड़ों पर आधारित मॉडल्स ने ले लिया है। इसके लिए एल्गोरिदम विकसित किये जा रहे हैं, जो समय और प्रासंगिकता के आधार पर कर्ज देने के फैसले ले सकेंगे। इसमें मानवीय भावनाओं की जगह नहीं होती है, जिससे भ्रष्टाचार और पक्षपात की संभावना खत्म हो जाती है। साथ ही साथ ऋण प्रस्ताव का सही-सही विश्लेषण किया जाता है। इस तरह के एल्गोरिदम का इस्तेमाल बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों और फिनटेक स्टार्ट-अप में किया जा रहा है।

साय बृहन्महाराष्ट्र मंडल के 73वें वार्षिक अधिवेशन में हुए शामिल

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ के मध्य है अटूट सम्बन्ध: साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के चौबे कॉलोनी में आयोजित तीन दिवसीय बृहन्महाराष्ट्र मंडल के 73वें वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए। उन्होंने इस महती अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले मराठी समाज से जुड़े प्रबुद्ध जनों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और समाज के लिए उनके योगदान की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री साय ने मराठी समाज के पुरोधाओं को नमन करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के बीच अटूट रिश्ता है और दोनों के सांस्कृतिक संबंधों में यह बात झलकती है। पड़ोसी राज्य होने के कारण यह जुड़ाव अधिक सहज भी है। साय ने सीपी बरार के दौर का जिक्र करते हुए कहा की उस दौर में दोनों क्षेत्र की राजधानी नागपुर हुआ करती थी और जनप्रतिनिधि मनोनीत होते थे। मेरे दादा स्वर्गीय बुद्धनाथ साय मनोनीत विधायक थे और महाराष्ट्र से सहज जुड़ाव मेरी स्मृतियों में है। साय ने अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के संस्थापक बालासाहेब देशपांडे सहित मराठी समाज के मूर्धन्यों का पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि देशपांडे ने जो संकल्प लिया था, आजीवन उसी रास्ते पर चले। आदिवासियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन पिछले साल भगवान रामलला अपने मंदिर में विराजे थे। उन्होंने सभी को इस पावन दिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस पवित्र दिन आपके अधिवेशन की शुरुआत हुई है, निश्चित रूप से यह अपने उद्देश्यों में सफल होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मराठा मंडल के वार्षिक अधिवेशन की स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र मंडल के सेवाभावी लोगों का शिक्षा सहित जनसेवा के अन्य क्षेत्रों में विशेष योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य, कला, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण सहित अलग-अलग क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने वाले प्रतिभावान लोगों को इस मंच से सम्मानित कर हम खुद को भी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की संस्कृति का मेल, भाईचारा और एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव हमें एकजुट रहकर समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। सनातन धर्म की रक्षा में छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। हमारी सरकार सभी वर्ग के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ-साथ नई औद्योगिक नीति से सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास से हम विकसित राज्य बनने की ओर अग्रसर हैं। छत्तीसगढ़ी संस्कृति के साथ ही पड़ोसी राज्यों की परंपराएं और संस्कृति को जानने के लिए इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए। इस अवसर पर राजेश मूणत, विधायक सुनील सोनी, विधायक मोतीलाल साहू, बृहन्महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष मिलिंद महाजन, रायपुर महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय काले, डॉ. रामप्रताप सिंह और डॉ. सुनील किरवई सहित समाज से जुड़े लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्लांट हादसा में मृतक के परिजनों को मुआवजा दें सरकार-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने मुंगेली जिला के रामपुर गांव के कुसुम स्मेल्टर्स पावर और स्पंज प्लांट हादसा में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की एवं घायलों की जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि कुसुम प्लांट हादसा सरकार की लापरवाही के कारण हुआ है। सरकार दुर्घटना में मृतक लोगों के परिजनों को एक-एक करोड रुपए मुआवजा दे और घायलों को 50 लाख रू. मुआवजा के साथ बेहतर स्वास्थ्य की सुविधा दे और इस हादसे के लिए जिम्मेदार प्लांट के डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाये। घटना की न्यायिक जांच हो और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो।उद्योग एवं श्रम विभाग सेफ्टी जांच करना बंद कर चुका है। भाजपा की सरकार बनने के बाद लगातार उद्योगों में हादसे हो रहे। इससे स्पष्ट है कि उद्योग विभाग अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन नहीं कर पा रही है समय पर जांच नहीं कर रही है उद्योगों में तय मापदंडों का पालन नहीं करवा पा रही है। उद्योगों में सेफ्टी नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है और इसके पीछे भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार है। भाजपा सरकार को उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों की कोई चिंता नहीं है। कुसुम प्लांट अभी निर्माणाधीन है फिर वहां पर उत्पादन कैसे शुरू हो गया? उद्योग विभाग ने क्या वहां पर जाकर सेफ्टी का जांच नहीं किया और जांच किया तो अधूरे प्लांट को शुरू करने की अनुमति कैसे दे दिया? जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई, कई लोग घायल हो गए। उद्योग और श्रम विभाग की घोर लापरवाही हादसे का कारण है। 1 साल के भीतर पूरे प्रदेश में प्लांट एवं अन्य फैक्ट्रियों में हादसा होने की खबर आ रही है जिसके चलते श्रमिकों और अन्य लोगों की मौत एवं घायल होने की घटना हो रही है, आखिर उद्योग विभाग अपने जिम्मेदारियों का पालन क्यों नहीं कर रहे? उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों को एवं अन्य लोगों की जान की क्या कोई कीमत नहीं है?

तबादला शासन का विशेषाधिकार, अधिकारी को मिले ग्रेड में नहीं कर सकते बदलाव

बिलासपुर। सीनियर अफसर को जूनियर रैंक में तबादला करने के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच में हुई। याचिकाकर्ता ने बताया कि वह एए श्रेणी की अफसर है। उनका तबदला महासमुंद नगरपालिका में सीएमओ के पद पर कर दिया है। नगरपालिका महासमुंद सीएमओ का पद उससे जूनियर रैंक के अफसर की है। राज्य शासन ने अपने ही शर्तों का उल्लंघन कर दिया है। मामले की सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने राज्य शासन द्वारा जारी तबादला आदेश पर रोक लगा दिया है।

नगरीय प्रशासन विभाग में ग्रेड एए अधिकारी कृष्णा खटिक ने अधिवक्ता संदीप दुबे के जरिए छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर कर राज्य शासन द्वारा ग्रेड डिमोट कर किए गए तबादला आदेश को चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच में हुई। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता संदीप दुबे ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता को नगर पालिका परिषद, महासमुंद में मुख्य नगरपालिका अधिकारी ष्ट्रस्न्न के पद पर स्थानांतरित किया गया है। याचिकाकर्ता का ग्रेड एए है। महासमुंद नगरपालिका ग्रेड ए रैंक के अफसर के लिए है। मसलन ग्रेड ए रैंक के अफसर को सीएमओ के पद पर पदस्थापना दी जा सकती है या फिर इसी रैंक के अफसर को एक से दूसरे निकाय में स्थानांतरण किया जा सकता है। अधिवक्ता दुबे ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता की रैंकिंग ग्रेड एए है। राज्य शासन ने ग्रेड ए में डिमोट करते हुए महासमुंद नगर पालिका सीएमओ के पद पर स्थानांतरण आदेश जारी कर दिया है। राज्य शासन का यह आदेश छत्तीसगढ़ राज्य नगर पालिका (कार्यपालिक/ इंजीनियरिंग/ स्वास्थ्य) सेवा, भर्ती और सेवा की शर्तें नियम, 2017 के विरुद्ध है। अधिवक्ता दुबे ने कहा कि ग्रेड एए रैंक वाले अफसरों को उन्हीं निकायों में स्थानांतरित किया जा सकता है, उनके रैंक व ग्रेड के अनुरुप पद हो। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने राज्य शासन द्वारा जारी तबादला आदेश पर रोक लगा दिया है।

उदयपुर चिंतन शिविर में शामिल हुई महिला-बाल विकास मंत्री

रायपुर । महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े राजस्थान के उदयपुर शहर में आयोजित चिंतन शिविर में शामिल हुई। उन्होंने चिंतन शिविर में राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ स्वतंत्र रुप से चर्चा में भाग लिया। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के महिला एवं बाल विकास विभागों के मंत्री तथा सचिव भी उपस्थित रहे।गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ अधिकारियों सहित प्रमुख हितधारक एक साथ एक मंच पर उपस्थित रहे।

आईएएस रेणु पिल्ले होंगी छत्तीसगढ़ की पहली महिला मुख्य सचिव

प्रशासनिक अराजकता दूर करने विष्णुदेव सरकार का मास्टर स्ट्रोक!...

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने कल शाम रेणु पिल्ले का आदेश जारी किया तो लोग स्तब्ध रह गए। क्योंकि, अमिताभ के छुट्टी पर जाने के दौरान प्रभारी मुख्य सचिव के लिए किसी और आईएएस अफसर का नाम चल रहा था।

मगर सरकार ने चौंकाते हुए उस रेणु पिल्ले का नाम फायनल कर दिया, जिनके बारे में लोग छूटते ही खारिज कर देते थे कि रेणु को चीफ सिकरेट्री बनाने के बारे में कोई सरकार सोच भी नहीं सकती। इसलिए रेणु पिल्ले को प्रभारी मुख्य सचिव बनाने की खबर एनपीजी न्यूज ने फ्लैश किया तो एनपीजी ऑफिस में लोगों के फोन आने लगे कि ये आश्चर्यजनक आदेश कैसे हो गया?

दरअसल, रेणु पिल्ले के बारे में परसेप्शन बन गया है कि वे बेहद कड़क और ईमानदार आईएएस अफसर हैं...वे किसी की सुनती नहीं। और यह सर्वविदित है कि पॉलीटिशन इस टाईप के विलुप्त हो रहे अफसरों को पसंद नहीं करते।लिहाजा, जब भी चीफ सिकरेट्री की चर्चा होती तो रेणु की बात कोई नहीं करता था। पिछली सरकार में जब भी सीएस बदलने की बात हुई तो लोगों ने सुब्रत साहू को लेकर दावे किए मगर रेणु को लेकर लोग इतने कांफिडेंस थे कि वे सीएस बनने लायक नहीं है।यही वजह है कि रेणु पिल्ले को कभी भी ढंग का विभाग नहीं मिला। अलबत्ता, पिछली बीजेपी सरकार एक बार इस कदर नाराज हो गई कि उन्हें रेवेन्यू बोर्ड में बिलासपुर ट्रांसफर कर दिया था। पिछली सरकार में वे दो बार एसीएस हेल्थ बनी मगर दोनों बार उन्हें बदल दिया गया। दिसंबर 2023 में विष्णुदेव सरकार बनने पर भी उन्हें मुख्य विभागां से बाहर रखा गया। वे प्रशासनिक अकादमी की डीजी का पद संभाल रही हैं, जिसे लूप लाईन माना जाता है। सरकार जब किसी सीनियर अफसर से नाराज होती है तो प्रशासन अकादमी भेज देती है। हालांकि, इस सरकार ने उन्हें व्यापम और माध्यमिक शिक्षा मंडल के चेयरमैन का दायित्व जरूर दिया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.